मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 241
गुरुवार, 19 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

राजनीति में कभी फुलस्टॉप नहीं होता, 59 राज्यसभा सांसदों की विदाई पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 18 मार्च। राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों की विदाई के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राजनीति में कभी पूर्ण विराम नहीं लगता है बल्कि भविष्य राष्ट्र और समाज में किसी अहम योगदान के लिए उनका इंतजार कर रहा होता है।

उन्होंने इस दौरान देवगौड़ा, पवार जैसे सदन के वरिष्ठ सदस्यों के संसदीय योगदान व लंबे अनुभव को सराहा और नए सदस्यों से उनसे सीखने का सुझाव दिया।

पीएम मोदी ने इस मौके पर उपसभापति हरिवंश के शांत होकर कार्य करने की शैली और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले की हास्य भरी शैली को भी सराहा।

साथ ही कहा कि सदन से सेवानिवृत्त हो रहे सभी सांसदों का राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान रहा है। उनके इस योगदान को याद रखा जाएगा।

पीएम मोदी ने इस दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की उस टिप्पणी के बाद एक शायरी भी सुनायी, जिसमें उन्होंने कहा कि पीएम पहले तो शेरो-शायरी भी सुनाते थे लेकिन अब नहीं सुना रहे है।इस पर मोदी ने कहा कि वैसे तो मैं शेर-शायरी की दुनिया का व्यक्ति नहीं हूं, वो प्रतापगढ़ी (इमरान प्रतापगढ़ी) का काम है। इसके बाद उन्होंने एक शेर पढ़ते हुए कहा कि ' कर्म ऐसा करो, जहां से गुजरे तुम्हारी नजरें उधर से आए तुम्हें सलाम।'

बता दें कि राज्यसभा से बुधवार को 20 राज्यों के सेवानिवृत्त हो रहे 59 सांसदों को विदाई दी। इनमें पांच महिला सांसद भी शामिल है। इस मौके पर विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेता कभी रिटायर नहीं होते।

उन्होंने इस दौरान सदन से जुड़े कई मुद्दे भी उठाए। कहा कि सभी सांसदों की बातों को सुना जाना चाहिए। सदन ज्यादा से ज्यादा चलना चाहिए। जनता के मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। खरगे ने इस मौकै पर पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा को लेकर भी चुटकी ली और कहा कि देवगौड़ा जी ने मोहब्बत तो उनसे किया था लेकिन शादी मोदी जी से कर ली। उनकी इस चुटकी का जवाब देवगौड़ा ने अपने बारी आने पर दिया और कहा कि जबरन शादी कराई गई थी, बाद में तलाक लेना पड़ा। इस दौरान सदन में जमकर ठहाके लगे। खरगे ने आठवले पर चुटकी लेते हुए कहा कि आठवले साहब अपनी कविता में हमेशा ही मोदी जी का गुणगान करते हैं। उन्हें कोई दूसरी कविता नहीं आती।

मुझे उम्मीद है कि वे अगले कार्यकाल में अपनी कविता में मोदी का जिक्र कम करेंगे। विदाई के इस मौके पर उपसभापति हरिवंश ने भी संबोधित किया और कहा कि वह सदन के एक बेहतर अनुभव के साथ विदा ले रहे है। सभी से उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला।

गौरतलब है कि राज्यसभा ने बुधवार को जिन सदस्यों को विदाई दी, उनमें पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा, उपसभापति हरिवंश, शरद पवार, रामदास आठवले सहित कुल 59 सदस्यों को दी। हालांकि इनमें से पवार, आठवले फिर से निर्वाचित होकर सदन में आ गए है।

आई-पीएसी मामले में बंगाल सरकार पर फूटा सुप्रीम कोर्ट का गुस्सा

नई दिल्ली, 18 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने आई-पीएसी मामले में बंगाल सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा राज्य में ईडी की छापेमारी में बाधा डालना अच्छी स्थिति नहीं है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और एनवी अंजारी की बेंच ने कहा कि ऐसे मामलों में केंद्रीय जांच एजेंसियों को बिना किसी उपाय के नहीं छोड़ा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि मामला यह है कि कोई मुख्यमंत्री कथित तौर पर सरकारी कार्यालय में घुसकर केंद्रीय सरकारी एजेंसी के काम में दखल देता है। ऐसे में उपाय क्या है? अगर कोई दूसरा मुख्यमंत्री फिर से ऐसा करे तो क्या होगा? हमें एक ऐसी स्वाभाविक स्थिति का सामना करना होगा जिसमें कोई न कोई उपाय होना चाहिए। कोर्ट ने संकेत दिया कि वह ऐसी स्थितियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर सकता है। बंगाल सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने तर्क दिया कि संविधान में इसका समाधान मौजूद है। उन्होंने सुझाव दिया कि विभागों द्वारा स्वतंत्र रूप से कार्य करने और रिट याचिका दायर करने के बजाय केंद्र सरकार उचित कार्यवाही शुरू कर सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ईडी की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें आरोप लगाया गया था कि ममता बनर्जी और सरकार ने 8 जनवरी को कोलकाता स्थित राजनीतिक सलाहकार फर्म आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर हुई छापेमारी के दौरान हस्तक्षेप किया था।

ये छापेमारी कथित कोयला घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में की गई थी। 8 जनवरी को उस समय काफी नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला जब बनर्जी छापेमारी के दौरान जैन के आवास पर पहुंचीं और लैपटॉप, फोन और कई फाइलें लेकर बाहर निकलीं।

इसके बाद वह सीधे आई-पैक के सॉल्ट लेक स्थित कार्यालय गईं, जहां ईडी की दूसरी टीम तलाशी ले रही थी, और वहां से कई फाइलें लेकर बाहर आईं। ईडी ने इसे सत्ता का घोर दुरुपयोग बताया। हालांकि, ममता बनर्जी ने दावा किया कि ये छापे राजनीतिक रूप से प्रेरित थे और भाजपा द्वारा बंगाल में होने वाले महत्वपूर्ण चुनावों से पहले रचे गए थे। बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को चुनाव होने हैं।

बंगाल में हुमायूं कबीर का बड़ा ऐलान, 182 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव; ममता को सीधी चुनौती

कोलकता, 18 मार्च। पश्चिम बंगाल की राजनीति में नया मोड़ तब देखने को मिला जब HumayunKabir की अगुवाई वाली नई पार्टी अें Janata Unnayan Party (AJUP) ने विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपनी पहली उम्मीदवार सूची जारी कर दी। इस शुरूआती सूची में 15 प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं, जिनमें अधिकांश उम्मीदवार Malda और Murshidabad क्षेत्रों से हैं।

Humayun Kabir ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य की 182 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। साथ ही, उन्होंने संकेत दिया कि बाकी उम्मीदवारों की पूरी सूची जल्द ही जारी की जाएगी।

कबीर ने बड़ा राजनीतिक दांव खेलते हुए कहा कि Bhowanipore सीट से Mamata Banerjee के खिलाफ एक मुस्लिम उम्मीदवार उतारा जाएगा, जिससे मुकाबला दिलचस्प हो सकता है।

इसके बाद उन्होंने अपनी अलग राजनीतिक राह चुनी और AJUP का गठन किया। अब उनकी रणनीति खास तौर पर मुस्लिम बहुल इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत करने और TMC के पारंपरिक वोट बैंक को चुनौती देने की है।

पार्टी का दावा है कि वह आम जनता से जुड़े मुद्दों—रोजगार, विकास और सामाजिक न्याय—को लेकर चुनाव मैदान में उतरेगी। कबीर का कहना है कि 2026 के चुनाव में उनकी पार्टी निर्णायक भूमिका निभा सकती है और राज्य की राजनीति में नया विकल्प बनकर उभरेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत बन रहा वैश्विक टेलीकॉम शक्तिः सिंधिया

नई दिल्ली, 18 मार्च। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज, बुधवार संसद में देश के टेलीकॉम सेक्टर में आई ऐतिहासिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दूरसंचार के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। साथ ही बीएसएनएल को लेकर एक प्रश्न पर उत्तर देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि इसके निजीकरण का कोई प्रश्न नहीं उठता। यह संस्था जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेगी। उन्होंने कहा कि जहां एक समय डेटा की औसत कीमत 290 रुपये हुआ करती थी, वह आज घटकर मात्र 8 रुपये रह गई है, जो लगभग 97% की कमी को दशार्ता है। 5ऋनेटवर्क आज देश के 99.9% जिलों तक पहुंच चुका है और 120 करोड़ उपभोक्ताओं में से 40 करोड़ लोग 5जी सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दुनिया के सबसे तेज 5जीविस्तारों में से एक है, जिसने भारत को डिजिटल क्रांति के अग्रणी देशों में खड़ा किया है।

केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि BSNL के निजीकरण का कोई मुद्दा नहीं है और यह पूरी तरह देश की जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 18 वर्षों बाद पहली बार BSNL ने 2024-25 में लगातार दो तिमाहियों में 280 करोड़ और 262 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। साथ ही BSNL के उपभोक्ताओं की संख्या जून 2024 में 8.5 करोड़ से बढ़कर 9.27 करोड़ हो गई है। राजस्थान में BTS अपटाइम भी 92% से बढ़कर 97% हो गया है, जो सेवा गुणवत्ता में सुधार का संकेत है।

इसके अलावा एक प्रश्न के उत्तर में सिंधिया ने सीमावर्ती क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2014 में केवल 42% सीमावर्ती गांवों में टेलीकॉम सुविधा उपलब्ध थी, जो आज बढ़कर 98% हो गई है। 17,600 में से 17,222 गांवों को कनेक्टिविटी से जोड़ा जा चुका है। उन्होंने बताया कि सरकार ने सीमावर्ती इलाकों में अपने पुराने नियमों में व्यापक बदलाव किए हैं, जिनमें सिग्नल फेड-आउट क्लॉज को समाप्त करना, डिस्टेंस प्रतिबंधों में ढील और राइट ऑफ वे नियमों को सरल बनाना शामिल है। राजस्थान में भी 1,322 सीमावर्ती गांवों में से 1,285 गांवों को कनेक्टिविटी से जोड़ा जा चुका है, जबकि शेष गांवों को 4G सैचुरेशन योजना के तहत कवर किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत सीमावर्ती गांवों को देश के पहले गांव के रूप में विकसित किया जा रहा है। उत्तराखंड में 705 में से 684 गांवों को टेलीकॉम कनेक्टिविटी मिल चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने पहली बार स्वदेशी 4G टेलीकॉम स्टैक विकसित कर वैश्विक स्तर पर अपनी तकनीकी क्षमता साबित की है। BSNL के माध्यम से 1 लाख स्वदेशी 4G टावर स्थापित किए जा चुके हैं और आगे 22,000 टावर और लगाए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत अब केवल टेलीकॉम सेवाओं का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उपकरण निर्माण में भी अग्रणी बनने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। उन्होंने विश्वास जताया कि जल्द ही 5ऋ सेवाएं भी स्वदेशी तकनीक के माध्यम से और अधिक मजबूत रूप में देशभर में उपलब्ध होंगी।

संगरूर को सीएम भगवंत मान की बड़ी सौगात, 70 गांवों को मिलेगा हाईटेक अस्पताल का लाभ

पंजाब, 18 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने संगरूर जिले के धुरी में एक आधुनिक उप-मंडल अस्पताल और एक विशेष मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधा का उद्घाटन किया, जो क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना को महत्वपूर्ण बढ़ावा देता है। 21.65 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित ये सुविधाएं लगभग 73,000 वर्ग फुट में फैली हुई हैं और लगभग 70 आसपास के गांवों के साथ-साथ 58,000 से अधिक शहरी निवासियों को सेवा प्रदान करेंगी। यह सुलभ और रोगी-केंद्रित चिकित्सा सेवाओं के प्रति आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

80 बिस्तरों वाले इस परिसर में 50 बिस्तरों वाला एक उप-मंडल अस्पताल है जो व्यापक माध्यमिक स्तर की सेवाएं प्रदान करता है और 30 बिस्तरों वाला एक मातृ एवं शिशु ब्लॉक है जो महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देता है। 13 ओपीडी कक्षों, एक आपातकालीन ब्लॉक, बड़ी और छोटी सर्जरी के लिए सात ऑपरेशन थिएटर, दो पंजीकरण काउंटर और ईसीजी, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे जैसी उन्नत निदान सुविधाओं और तीन आधुनिक प्रयोगशालाओं से सुसज्जित यह अस्पताल एक ही छत के नीचे मुफ्त जांच, सर्जरी और विशेषज्ञ परामर्श सुनिश्चित करता है, जिसमें ईएनटी और घुटने के प्रतिस्थापन भी शामिल हैं।मान ने इस बात पर जोर दिया कि ये अस्पताल विशेषज्ञ स्त्री रोग विशेषज्ञों की देखरेख में सिजेरियन और सामान्य प्रसव, आपातकालीन देखभाल और उन्नत प्रक्रियाओं की सुविधा प्रदान करके स्वास्थ्य सेवा वितरण में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे, जिससे पहले वंचित रहे हजारों लोगों को लाभ होगा।

DAKS REHAB CENTRE

(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)

Contact us: 9820519851

विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

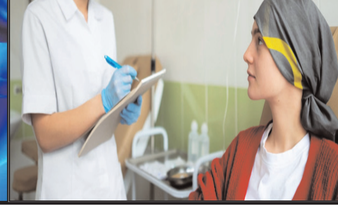

दिल्ली के पालम में एक आवासीय इमारत में लगी भीषण आग, 9 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम इलाके में बुधवार सुबह एक आवासीय इमारत में आग लग गई, जिसमें कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई है। यहां एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आग बुझाने और अंदर फंसे लोगों को बचाने के लिए दमकल के 30 वाहन मौके पर भेजे गए, हताहतों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। अधिकारी ने बताया कि पालम स्थित एक इमारत में एक घर पर आग लगने की सूचना सुबह सात बजे प्राप्त हुई थी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने कहा, "एक आवासीय इकाई में आग लगने की सूचना मिली है और हमें आशंका है कि कुछ लोग अंदर फंसे हो सकते हैं।

NEW LIGHT CLASSES

TRADITION OF EXCELLENCE

2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN

ALL OVER INDIA

ENROLL NOW

SMART CLASSROOM

(ONLINE/OFFLINE)

Courses Offered

- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस- 20 मार्च 2026
प्रसन्नता का वैश्विक संकल्प और भारतीय संदर्भ

-ललित गर्ग

मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य क्या है-धन, वैभव, पद या प्रतिष्ठा। इन सबके पार जाकर यदि कोई तत्व जीवन को वास्तविक अर्थ देता है तो वह है खुशी। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2012 में 20 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के रूप में घोषित किया और 2013 से यह दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाने लगा। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है, बल्कि एक वैश्विक चेतना का विस्तार है, जो इस विश्वास पर आधारित है कि खुशी प्रत्येक मनुष्य का मौलिक अधिकार है और उसके बिना विकास अधूरा है। इस वर्ष की थीम ह्यएक साथ खुश रहें है, जो हमें यह संदेश देती है कि खुशी का वास्तविक अर्थ केवल व्यक्तिगत संतोष नहीं, बल्कि सामूहिक आनंद और सामाजिक जुड़ाव में निहित है। पिछले वर्षों में साथ मिलकर खुश रहना और खुशी बाँटना शामिल थे, जो लोगों को दयालुता और मित्रता के माध्यम से खुशियां फैलाने के लिए प्रोत्साहित करते थे। 2026 का विषय है देखभाल और साझा करना जो इस बात पर जोर देता है कि स्थायी खुशी एक-दूसरे की देखभाल करने, जुड़ाव महसूस करने और एक समुदाय का हिस्सा होने से मिलती है।

विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2024 के अनुसार भारत 143 देशों में 126वें स्थान पर है। यह आंकड़ा पहली दृष्टि में चिंताजनक लगता है, लेकिन इसके पीछे की वास्तविकताओं को समझना भी आवश्यक है। भारत जैसा विशाल, बहुविधताओं से भरा और अनेक चुनौतियों से जूझता देश, जिसकी जनसंख्या विश्व में शीर्ष पर है, उसकी तुलना छोटे और कम जटिल देशों से करना कितना उचित है, यह विचारणीय है। जिन देशों को शीर्ष पर रखा गया है, वहां आबादी कम है, सामाजिक संघर्ष सीमित हैं और प्रशासनिक समस्याएं अपेक्षाकृत सरल हैं। इसके विपरीत भारत में गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, असमानता और क्षेत्रीय विषमताओं जैसी जटिल समस्याएं हैं, जिनसे निपटना एक बड़ा दायित्व है। फिर भी भारत ने पिछले एक दशक में उल्लेखनीय प्रगति की है। लगभग 25 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा से बाहर आना, डिजिटल क्रांति के माध्यम से आम नागरिक का सशक्त होना, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका, ये सभी उपलब्धियां इस बात का संकेत हैं कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति की सराहना कर रही हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या केवल आय, सामाजिक सुरक्षा और जीवन प्रत्याशा जैसे संकेतकों के आधार पर ही खुशी को मापा जाना उचित है? क्या सांस्कृतिक मूल्यों, पारिवारिक संबंधों, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता को नजरअंदाज कर देना न्यायसंगत है?

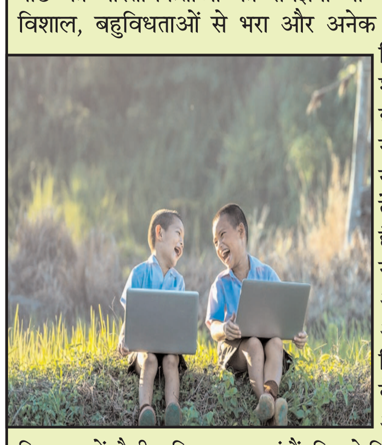

भारतीय संस्कृति में खुशी का अर्थ बाहरी संसाधनों से अधिक आंतरिक संतोष से जुड़ा है। यहां संतोष परम सुखम का सिद्धांत जीवन का आधार रहा है। भारतीय दर्शन यह सिखाता है कि इच्छाओं की असीमित पूर्ति नहीं, बल्कि इच्छाओं का संयम और आत्मनियंत्रण ही स्थायी प्रसन्नता का मार्ग है। आज की उपभोक्तावादी संस्कृति में हमने खुशी को वस्तुओं और सुविधाओं से जोड़ दिया है। नई वस्तु मिलने पर क्षणिक प्रसन्नता अवश्य मिलती है, लेकिन वह जल्दी ही समाप्त हो जाती है और उसके स्थान पर नई इच्छाएं जन्म ले लेती हैं। इस प्रकार व्यक्ति एक अंतहीन दौड़ में उलझ जाता है, जहां संतोष का कोई ठहराव नहीं होता। खुशी का वास्तविक पैमाना यह नहीं है कि हमारे पास कितना है, बल्कि यह है कि हम जो कुछ है, उसमें कितना संतुष्ट और कृतज्ञ हैं। एक प्रसन्न समाज का निर्माण तभी संभव है जब नागरिक स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और आशावान महसूस करें। आर्थिक अवसरों की समानताएं प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सरलताएं सामाजिक संबंधों की मजबूती और नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा-ये सभी तत्व मिलकर खुशहाली का आधार बनाते हैं। यदि आम नागरिक को अपने प्रयासों का उचित प्रतिफल मिले और उसे जीवन में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो, तो उसकी प्रसन्नता स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी।

आज के समय में बढ़ती नकारात्मकता, तनाव और अकेलापन खुशी के मार्ग में सबसे बड़ी बाधाएं बनकर उभरे हैं। कई लोग भौतिक रूप से समृद्ध होते हुए भी मानसिक रूप से थके हुए, निराश और ऊर्जा विहीन महसूस करते हैं। वे पर्याप्त विश्राम के बावजूद थकान का अनुभव करते हैं, कार्य के प्रति उत्साह खो देते हैं और जीवन में उद्देश्यहीनता महसूस करते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी है कि विकास के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक संतुलन पर भी ध्यान देना आवश्यक है। इस वर्ष की थीम एक साथ खुश रहें हमें यह सिखाती है कि खुशी का सबसे बड़ा स्रोत हमारे संबंध हैं। परिवार के साथ बिताया गया समय, मित्रों के साथ साझा की गई हंसी, समाज के लिए किया गया सेवा कार्य और किसी जरूरतमंद की सहायता-ये सभी अनुभव हमें भीतर से समृद्ध करते हैं। जब हम दूसरों की खुशी का कारण बनते हैं, तो हमारी अपनी खुशी कई गुना बढ़ जाती है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसका अस्तित्व संबंधों के बिना अधूरा है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने संबंधों को मजबूत करें, संवाद बढ़ाएं और सामूहिकता की भावना को पुनर्जीवित करें।

खुशहाल राष्ट्र के निर्माण में सरकार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। गरीबी, भूख, कुपोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और उद्यमिता जैसी चुनौतियों का समाधान किए बिना व्यापक खुशहाली संभव नहीं है। सरकार को नीतियों और योजनाओं के माध्यम से आम नागरिक के जीवन स्तर को सुधारने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। साथ ही प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी आवश्यक है ताकि नागरिकों का विश्वास मजबूत हो सके। जब शासन निस्वार्थ भाव से कार्य करता है तभी समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके साथ ही समाज और नागरिकों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। यदि हम भ्रष्टाचार, अनैतिकता और अपराध के खिलाफ जागरूकता नहीं फैलाएंगे तो खुशहाली का सपना अधूरा ही रहेगा। बुराइयों से मुक्ति तभी संभव है जब उनके दुष्परिणामों का सही ज्ञान हो और अच्छाइयों को अपनाने के लिए निरंतर प्रयास किया जाए। नैतिकता, ईमानदारी और सेवा भाव को जीवन में स्थान देना ही स्थायी प्रसन्नता का मार्ग प्रशस्त करता है। हर व्यक्ति की खुशी की परिभाषा अलग होती है, लेकिन कुछ सार्वभौमिक सिद्धांत ऐसे हैं जो सभी के जीवन में प्रसन्नता ला सकते हैं। कृतज्ञता का भाव विकसित करना, सकारात्मक सोच अपनाना, अपने संबंधों को समय देना, स्वास्थ्य का ध्यान रखना, दूसरों की सहायता करना और जीवन के छोटे-छोटे क्षणों का आनंद लेना-ये सभी सरल उपाय हैं लेकिन इनका प्रभाव अत्यंत गहरा होता है। मुस्कुराना और हंसना न केवल तनाव को कम करता है, बल्कि हमारे भीतर नई ऊर्जा का संचार भी करता है।

अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि खुशी कोई बाहरी वस्तु नहीं है, जिसे हम प्राप्त कर लें, बल्कि यह एक आंतरिक अनुभूति है, जिसे हमें विकसित करना होता है। यह एक यात्रा है, जिसमें हमें अपने विचारों, व्यवहार और संबंधों को संतुलित रखना होता है। आज आवश्यकता है कि हम अतीत की गलतियों से सीखें, वर्तमान को सजगता से जिएं और भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं। यदि हम अपने आसपास के लोगों में भी सकारात्मकता और आशा का संचार कर सकें, तो यह एक बड़े परिवर्तन की शुरूआत होगी। इसके लिये जरूरी है कि हम इस अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस पर यह संकल्प लें कि हम केवल अपनी खुशी तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि दूसरों की खुशी का भी कारण बनेंगे। जब हम एक साथ खुश रहने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे, तभी एक सशक्त, समरस, शांतिपूर्ण और खुशहाल समाज का निर्माण संभव होगा। यही इस दिवस का सार है और यही मानवता के उज्ज्वल भविष्य की दिशा भी।

केरल चुनाव के खातिर भाजपा की तैयारी लम्बे समय से चल रही है

अशोक भाटिया

भाजपा ने केरल में राजधानी तिरुवनंतपुरम की नगर निगम पर पहली बार कब्जा करने के बाद इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राज्य की राजनीति में अपनी महती उपस्थिति दर्ज करा दी है। अब वह विधानसभा में दस्तक देने की तैयारी में जुट गई है। संगठन के स्तर पर पार्टी ने अगले लोकसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति तैयार की है, जिसमें विधानसभा चुनाव प्रभारियों की नियुक्ति के साथ संगठन प्रभारियों में बदलाव भी शामिल है। इस साल 5 राज्यों असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव होने जा रहे है। वैसे तो भाजपा के लिए सभी राज्य प्रमुख है पर इस बार केरल पर विशेष जोर लगाया जा रहा है ।

भाजपा को उम्मीद है कि केरल में राजधानी तिरुवनंतपुरम की नगर निगम व कुछ नगरपालिकाओं में मिली सफलता के बाद वह विधानसभा में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकती है। उसकी नजर राज्य की आधा दर्जन सीटों पर है, जहां पर जीत सकती है। अभी तक भाजपा को केरल के इतिहास में केवल एक बार 2026 में ही एक विधानसभा सीट जीतने का मौका मिला था, जब ओ राजगोपाल ने नेमम सीट जीती थी। इसके अलावा पिछले लोकसभा चुनाव में उसने त्रिशूर का लोकसभा चुनाव जीता था, जिसमें फिल्म अभिनेता गोपी सुरेश की अपनी लोकप्रियता भी शामिल थी। अब भाजपा राजनीतिक व सामाजिक समीकरणों के जरिए अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रही है। राज्य में हिंदू समुदाय को वामपंथी दलों के समर्थन से अपने साथ लाने की कोशिशों के साथ वह ईसाई समुदाय को भी साध रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद लगातार ईसाई समुदाय के प्रमुख नेताओं से मिलते रहते हैं और हर साल क्रिसमस पर चर्च जाकर प्रार्थना में भी हिस्सा लेते हैं। देश में केरल ही एक मात्र राज्य हैं जहां वामपंथी शासन में है। अब भाजपा यहां पर उसके ही समर्थक वर्ग में सेंध लगा रही है। ध्रुवीकरण की राजनीति में वह कांग्रेस के साथ सीधे मुकाबले की कोशिश कर रही है। अब जबकि निकाय चुनावों से कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ सत्ता का प्रबल दावेदार बन कर उभरा है, उस समय भाजपा खुद को माकपा की जगह विपक्ष की राजनीति में स्थापित करने की कोशिश में है।

इस तयारी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह केरल का दौरा भी महत्वपूर्ण हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भाजपा के मिशन 2026 'हम विकसित केरल चाहते हैं' को लॉन्च करने के लिए तिरुवनंतपुरम पहुंचे तो संदेश बिलकुल सीधा और साफ था। राज्य में भाजपा लंबे समय से अपनी पकड़ बनाने के लिए संघर्ष कर रही है और शाह पार्टी की इसी कोशिश को आगे बढ़ाने के लिए पहुंचे । अभियान का स्?लोगन भी उनके इस इरादे की पुष्टि करता है और यह स्?लोगन है- जो कभी नहीं बदला, वह अब बदलेगा। भाजपा द्वारा चुने गए 2,000 से अधिक स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों को शाह ने संबोधित किया और पार्टी के आगामी लक्ष्?यों को साफ किया। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल वोट शेयर बढ़ाने के लिए चुनाव नहीं लड़ रही है, बल्कि एक ऐसे भविष्य की दिशा में काम कर रही है, जहां केरल में भाजपा का मुख्यमंत्री हो।

इस दौरान शाह ने केरल के प्रमुख राजनीतिक दलों पर तीखा हमला बोला था और आरोप लगाया था कि एलडीएफ और यूडीएफ के बीच मैच फिक्सिंग के कारण वर्षों से विकास रुका हुआ है। उन्?होंने कहा कि सत्ता इन दोनों के बीच बदलती रहती है, लेकिन इनकी प्राथमिकताएं काफी समान रहती हैं, जिसके कारण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्टों में देरी होती है और नीतिगत निष्क्रियता बनी रहती है, जिससे आर्थिक अवसरों का नुकसान होता है। साथ ही शाह ने तर्क दिया कि भाजपा का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मतदाताओं को विकास केंद्रित तीसरा विकल्प प्रदान करना और इस राजनीतिक चक्र को तोड़ना है। चुनावी आंकड़ों से पता चलता है कि भाजपा का यह आत्मविश्वास बेवजह नहीं है। केरल में एनडीए का वोट शेयर लगातार बढ़ा है। 2001 में भाजपा का वोट शेयर करीब 3% था जो 2016 और 2021 के बीच बढ़कर 12-15% हो गया है। हालांकि वोटों में यह बढ़ोतरी विधानसभा सीटों में आनुपातिक रूप से परिवर्तित नहीं हुई है। हालांकि बार-बार हार के बावजूद पार्टी का संगठनात्मक आधार बरकरार है।

गौरतलब है कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा पिछले दो स्थानीय निकाय चुनावों में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में उभर कर सामने आई है। वहीं हालिया चुनाव में उसने 101 वार्डों में से 50 वार्ड जीतकर इतिहास रच दिया और पहली बार केरल में भाजपा का मेयर बना। सभी छह नगर निगमों में भाजपा-एनडीए गठबंधन ने 23% से अधिक का वोट शेयर हासिल किया, जिससे यह विश्?वास मजबूत हुआ है कि शहरी मतदाता विशेषकर युवा, पार्टी के विकास के दावों को गंभीरता से ले रहा है। अमित शाह ने बताया कि 79 ग्राम पंचायतों में भाजपा दूसरे स्थान पर रही और यह सब दशार्ता है कि भाजपा केवल शहर केंद्रित पार्टी नहीं है। सबरीमाला मुद्दे को पार्टी में धीमी गति से विकसित होने वाले राजनीतिक फैक्?टर के रूप में देखा जाता है। हालांकि इसका चुनावी प्रभाव क्षेत्र के अनुसार भिन्न-भिन्न है, भाजपा का मानना है कि इसने हिंदू मतदाताओं के कुछ वर्गों के साथ पार्टी का स्थायी संबंध बनाने में मदद की है, खासतौर पर दक्षिणी केरल में।

स्थानीय निकाय चुनाव के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि एझवा ओबीसी समुदाय के कुछ वर्गों के मतदान में बदलाव आया है, जिसे पारंपरिक रूप से वामपंथी झुकाव वाला समुदाय माना जाता है। यहां पर सीमित बदलाव भी करीबी मुकाबले वाले निर्वाचन इलाके में निर्णायक साबित हो सकता है क्योंकि ओबीसी समुदाय हिंदू समुदाय का 26 प्रतिशत है। दिलचस्प बात यह है कि पार्टी के शीर्ष नेता के सुरेंद्रन, वी मुरलीधरन और शोभा सुरेंद्रन भी ओबीसी समुदाय से आते हैं, जिन्होंने जमीनी स्तर पर अपनी राजनीतिक सूझबूझ को प्रदर्शित किया है।

तिरुवनंतपुरम जिला भाजपा का प्रमुख चुनावी क्षेत्र बनकर उभरा है। नेमोम, वट्टियूरकावु, कझाकूटम, तिरुवनंतपुरम सेंट्रल और अटिंगल जैसी सीटों पर अब कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। अटिंगल में पूर्व केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने पिछले लोकसभा चुनाव में 3 लाख से अधिक वोट प्राप्त किए थे और तीसरे स्थान पर रहे थे, लेकिन शीर्ष दो उम्मीदवारों के काफी करीब थे। भाजपा ऐसे प्रदर्शन को इस बात का प्रमाण मानती है कि वह पारंपरिक वोट बैंकों में सेंध लगाकर रणनीतिक रूप से बदलाव ला सकती है। अटिंगल में भाजपा का वोट शेयर 2019 में 24।97% से बढ़कर 2024 में 31। 64% हो गया है। उत्तरी केरल में कासरगोड का मंजेश्वरम एक प्रतीकात्मक स्थान रखता है। भाजपा नेता के सुरेंद्रन एक बार वहां मात्र 80 वोटों से हार गए थे, जो इस बात को बताता है कि मामूली अंतर भी राजनीतिक परिणामों को बदल सकता है।

केरल की करीब 48% आबादी ईसाई और मुस्लिम है, इसलिए अल्पसंख्यक संपर्क भाजपा की रणनीति का एक अहम हिस्सा बन गया है। त्रिशूर में सुरेश गोपी की जीत को बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है, खासकर ईसाई समुदाय के साथ जुड़ाव के लिहाज से। गोपी ने 2024 में त्रिशूर लोकसभा सीट 4,12,338 वोटों (37।8% वोट शेयर) से जीती, जो केरल में पार्टी की पहली संसदीय जीत थी। उन्होंने 74,686 वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की। इसे जातिगत भेदभाव से परे हिंदू एकजुटता का प्रतीक माना गया।

हाल ही में केरल की राजनीति में और बड़ा बदलाव देखने को मिला है। कॉरपोरेट समर्थित क्षेत्रीय पार्टी Twenty20 ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने की घोषणा कर दी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने हाल ही में राजधानी तिरुवनंतपुरम में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में Twenty20 के प्रदेश अध्यक्ष साबू एम। जैकब का गठबंधन में स्वागत किया। साबू जैकब ने कहा कि पार्टी ने गठबंधन राजनीति से दूरी बनाए रखने की अपनी दशक पुरानी नीति को छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि 2025 के स्थानीय निकाय चुनावों में एलडीएफ, यूडीएफ, एसडीपीआई और वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया के कथित गठजोड़ से Twenty20 को लगभग अस्तित्व का संकट झेलना पड़ा। पार्टी अपने चार में से दो पंचायत क्षेत्रों में हार गई, हालांकि नए इलाकों में उसने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जैकब ने कहा कि स्थानीय चुनावों के दौरान पार्टी के खिलाफ जिस तरह का माहौल बना, वह उनके लिए आंखें खोलने वाला अनुभव रहा। उन्होंने दावा किया कि Twenty20 की विकास की सोच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से मेल खाती है। उन्होंने कहा कि हमारे अस्तित्व को खत्म करने की कोशिश करने वाले राजनीतिक गठजोड़ के खिलाफ हमें मजबूत सहयोगियों की जरूरत थी और एनडीए से बेहतर विकल्प हमें नहीं मिला। उन्होंने केरल की राजनीति में एलडीएफ-यूडीएफ द्विध्रुवीय व्यवस्था को राज्य के विकास में बाधक बताते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और घोटालों से भरी राजनीति के चलते पढ़े-लिखे युवा रोजगार के लिए राज्य छोड़ने को मजबूर हैं। जैकब ने आरोप लगाया कि केरल निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल नहीं रहा है और एलडीएफ सरकार की कथित शत्रुतापूर्ण नीतियों के कारण उन्हें अपना गारमेंट व्यवसाय आंशिक रूप से तेलंगाना स्थानांतरित करना पड़ा, जहां उन्होंने 50,000 रोजगार सृजित किए। जैकब ने यह भी कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में Twenty20 का प्रदर्शन कमजोर नहीं रहा, बल्कि पार्टी का वोट शेयर 9 प्रतिशत से बढ़कर 12 प्रतिशत हो गया और वह कोल्लम तथा पलक्कड़ में एक निर्णायक तीसरी शक्ति के रूप में उभरी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि ट्वेंटी20 के एनडीए में शामिल होने से केरल में गठबंधन का विस्तार तेज होगा। उन्होंने बताया कि साबू जैकब शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तिरुवनंतपुरम दौरे के दौरान मंच साझा करेंगे। इससे पहले, जनाधिपत्य संरक्षण समिति (जेएसएस) के एक धड़े ने भी एनडीए में शामिल होने की घोषणा की। हालांकि, जेएसएस के प्रदेश सचिव राजन बाबू ने पार्टी में विभाजन से इनकार करते हुए कहा कि पूर्व विधायक ए.वी. थमराक्षण को पहले ही संगठन से निष्कासित किया जा चुका है। विधानसभा चुनाव को देखते हुए इसे एनडीए और भाजपा की तैयारी बताई जा रही है।

प्रकृति की नन्ही दूत है चिड़िया
20 मार्च विश्व गौरैया दिवस पर विशेष

-रमेश सर्राफ धमोरा

विश्व गौरैया दिवस नन्ही घरेलू गौरैया और अन्य पक्षियों को समर्पित है। गौरैया की संख्या में हो रही तीव्र गिरावट के बारे में जागरूकता पैदा करने और लोगों को इन परिचित पक्षियों की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु यह दिवस प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य गौरैया के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनके लिए हमारे आस पास का माहौल बेहतर करना है। विश्व गौरैया दिवस 2026 एक बार फिर दुनिया को याद दिलाएगा कि आम पक्षियों को भी देखभाल और ध्यान की आवश्यकता है। कभी उपेक्षित समझी जाने वाली गौरैया अब कई कस्बों और शहरों से गायब हो रही हैं, जो इस दिन को रोजमर्रा की जैव विविधता और स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य के प्रति चिंता का प्रतीक बनाती है।

गौरैया मानव इतिहास के सबसे परिचित पक्षियों में से एक हैं। वे घरों, खेतों, बाजारों और शहरी सड़कों के पास पाई जाती हैं। उनकी उपस्थिति यह दशार्ती है कि किसी क्षेत्र में अभी भी पर्याप्त भोजन, सुरक्षित घोंसले बनाने की जगह और बुनियादी पारिस्थितिक संतुलन मौजूद है। गौरैया की मधुर चहचहाहट कई देशों में सुबह और शाम के जीवन का अभिन्न अंग रही है। गौरैया छोटे, फुतीर्ले पक्षी होते हैं जो 4 से 7 इंच तक लम्बे होते हैं। उनके गोल, मोटा शरीर और छोटी मजबूत चोंच होती हैं जो खुले बीजों को तोड़ने के लिए उपयुक्त होती हैं। उनके पंखों पर धारियां या गहरे रंग के धब्बे होते हैं। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है।

जब बच्चा कुछ समझने लगता है तो सर्वप्रथम उसको घर के आंगन में सबसे अधिक जो पक्षी देखने को मिलता है वह नन्ही चिड़िया यानी गौरैया होती है। यह चिड़िया बचपन से ही हमारी साथी बन जाती है जो बच्चों के इर्द-गिर्द ही घूमती रहती है और अपनी मीठी आवाज से उन्हें आकर्षित करती रहती है। गौरैया बच्चों के हाथ से कई बार खाने की वस्तु भी झपटकर ले जाती है। छोटे बच्चे उन्हें पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ते हैं और वह फुर्र से उड़कर ऊपर बैठ जाती है। गांव देहातों में यह आज भी देखने को मिल जाता है। मगर शहरों में अब ऐसा नजारा शायद ही कहीं देखने को मिलता होगा।

गौरैया मनुष्य के आसपास रहना पसंद करती है। यह लगभग हर तरह की जलवायु पसंद करती है पर पहाड़ी स्थानों में कम दिखाई देती है। शहरों, कस्बों, गांवों, और खेतों के आसपास यह बहुतयात से पाई जाती है। नर गौरैया के सिर का ऊपरी भाग नीचे का भाग और गालों पर पर भूरे रंग का होता है। गला चोंच और आंखों पर काला रंग होता है और पैर भूरे होते है। मादा के सिर और गले पर भूरा रंग नहीं होता है। नर गौरैया को चिड़ा और मादा चिड़ी या चिड़िया भी कहते हैं।

गौरैया पक्षियों के पैसर वंश की एक जीव वैज्ञानिक जाति है जो विश्व के अधिकांश भागों में पाई जाती है। आरम्भ में यह एशिया, यूरोप और भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों में पाई जाती थी। लेकिन मानवों ने इसे विश्वभर में फैला दिया है। यह मनुष्यों के समीप कई स्थानों में रहती हैं। पिछले कुछ सालों में शहरों में गौरैया की कम होती संख्या पर चिन्ता प्रकट की जा रही है। आधुनिक स्थापत्य की बहुमंजिली इमारतों में गौरैया को रहने के लिए जगह नहीं मिल पाती। कभी बड़ी संख्या में हमारे साथ रहने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे बहुत कम होती जा रही है। मगर जीवन की भाग दौड़ में किसी का ध्यान इनकी घाटी संख्या की तरफ नहीं जा रहा है। बच्चों की सबसे नजदीकी मित्र गौरैया जिस तेजी से कम होती जा रही है उससे लगता है आने वाले समय में यह कहीं विलुप्त ना हो जाए। इसलिए हम सबको मिलकर गंभीरता से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे गौरैया को संरक्षण मिल सके और उनकी संख्या में फिर से बढ़ोतरी प्रारंभ हो सके।

गौरैया चिड़िया को घरेलू चिड़िया भी कहा जाता है। क्योंकि यह घरों के अंदर भी घोसले बनकर रह लेती है। ये मानव और प्रकृति के लिए बहुत उपयोगी है। क्योंकि यह कीड़ों को खाती है जिससे कीड़े पौधों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं। गौरैया एक ऐसी चिड़िया है जो पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा धर्मशास्त्र के मुताबिक गौरैया का आपकी छत पर आना आपके लिए शुभ होता है। जानकारो का कहना हैं कि यह चिड़िया शांति और सदभावना का संदेश लेकर आती है।

आंकड़े बताते हैं कि विश्व भर में घर-आंगन में चहकने-फुदकनेवाली छोटी सी प्यारी चिड़िया गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को रेड लिस्ट में डाला था। वहीं आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह कमी ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में हुई है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। जबकि स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड्स (एसओआईबी) रिपोर्ट 2023 के मुताबिक पिछले 25 सालों में गौरैया की आबादी कुल मिलाकर काफी स्थिर रही है। हालांकि भारत में हाउस स्पैरो की संख्या कम होने की आम धारणा है। गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूकता को लेकर दिल्ली सरकार ने 2012 और बिहार सरकार ने 2013 से गौरैया को राजकीय पक्षी घोषित कर रखा है।

कभी हमारे घर-आंगन में गिरे अनाज को खाने गौरैया फुर्र से आती थी और दाना चुगकर उड़ जाती थी। हालांकि गांवों में आज भी कई घरों में गौरैया आ रही है। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे कई कारण हैं जिन पर लगातार शोध हो रहे हैं। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे के कारणों में आहार की कमी, बढ़ता आवासीय संकट, कीटनाशक का व्यापक प्रयोग, जीवन-शैली में बदलाव, प्रदूषण और मोबाइल फोन टावर से निकलने वाले रेडिएशन को दोषी बताया जाता रहा है।

गौरैया की संख्या में कमी के पीछे बेतहाशा कीटनाशक का प्रयोग को माना जा रहा है। गौरैया के प्रजनन के लिए अनुकूल आवास में कमी को भी इसकी संख्या में कमी का एक कारण माना जा रहा है। कच्चे घरों का तेजी से कंक्रीट के जंगलों में तब्दील होने से शहरों में इनके प्रजनन के लिए अनुकूल आवास नहीं मिलते हैं। यही वजह है कि एक ही शहर के कुछ इलाकों में ये दिखती है तो कुछ में नहीं। गौरैया संरक्षण में जुड़े लोग कृत्रिम घर बनाकर गौरैया को प्रजनन के लिए आवास देने की पहल चला रहे हैं। इसमें गौरैया अंडे देने के लिए आ भी रही हैं।

जहां तक गौरैया का सवाल है यह इन्सानों की दोस्त तथा किसानों की मददगार है। गौरैया इन्सान के साथ रहते हुए उन्हें सुख-शांति प्रदान करती हैं। बच्चों का बचपन इसके साथ खेलते हुए गुजरता है। लेकिन हम इन्सानो ने ही इसे अपने से दूर कर दिया है। भारत में पक्षियों की कुल मिलाकर 1250 प्रजातियां हैं। जिनमें से 85 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। जिसमें गौरैया का भी नाम शामिल है। गौरैया का सुरक्षित रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खा लेती है। जिससे किसान की फसल खराब होने से बच जाती हैं। गौरैया अपना घौंसला इंसानों के करीब बनाती है। इससे उनके घौंसले उजाड़ दिए जाते हैं। बढ़ता वायु प्रदूषण भी इन पक्षियों के लिए मुसीबत है। इसलिए जरूरी है कि हम अभी से यह समझने की कोशिश करें कि छोटी सी गौरैया हमारे जीवन के लिए कितनी अहम है। ऐसे में उसकी रक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे का धर्मस्वातंत्र्य विधेयक समर्थन हिंदुत्व

-संजय सक्सेना

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से उस पुरानी विचारधारा की छाप उभर रही है जिसने सदियों से इस भूमि को अपनी पहचान दी है। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के उत्तराधिकारी उद्धव ठाकरे ने विधानसभा में पेश हुए धर्मस्वातंत्र्य विधेयक को पूर्ण समर्थन देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि जबरदस्ती या लालच के आधार पर होने वाले धर्म परिवर्तन के खिलाफ उनका रुख अडिग है। यह समर्थन महज एक विधेयक की मंजूरी तक सीमित नहीं है बल्कि उनके राजनीतिक सफर में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो रहा है। पांच साल पहले जब उन्होंने सत्ता की खातिर दशकों पुरानी सहयोगी भाजपा को छोड़कर कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन किया था तब कई लोगों ने इसे उनकी विचारधारा से समझौता मान लिया था। लेकिन अब जब विधेयक पास हो चुका है और उद्धव ठाकरे ने विधानसभा परिसर के बाहर मीडिया से बातचीत में कहा कि धर्म स्वातंत्र्य तो हर किसी को होना चाहिए पर फरेब या दबाव से धर्म बदलवाने का विरोध करेंगे तब लगता है कि वे अपनी जड़ों की ओर लौट रहे हैं।

यह बदलाव अचानक नहीं आया है। 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने तो उनकी सरकार में कई ऐसे फैसले आए जिनसे उनके पारंपरिक हिंदू मतदाता नाराज हो गए। पालघर में साधुओं की हत्या का मामला हो या सावरकर जैसे मुद्दों पर कांग्रेस के साथ तालमेल तो उद्धव की चुप्पी ने उनके कैडर में असमंजस पैदा कर दिया। उस समय मुस्लिम वोटरों की स्वीकार्यता बढ़ी जरूर लेकिन शिवसेना की मूल हिंदुत्ववादी छवि धुंधली पड़ती गई। फिर 2022 में पार्टी में फूट पड़ी जब एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बहुसंख्यक विधायक अलग हो गए और उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) तब विपक्ष में चली गई और महाविकास आघाड़ी के सहारे टिकी रही। लेकिन हाल के विधानसभा चुनावों ने उन्हें सच्चाई का आईना दिखा दिया। पार्टी दो फाड़ होने के बावजूद चुनावी मैदान में बुरी तरह हार गई और मुस्लिम वोटों के भरोसे पुरानी जमीन बचाने का सपना चूर-चूर हो गया। अब अस्तित्व का संकट सामने है तो उद्धव को फिर से बाल ठाकरे की उस विचारधारा की याद आई है जिस पर शिवसेना की नींव पड़ी थी। धर्मस्वातंत्र्य विधेयक महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है जो राज्य में अवैध धर्मांतरण पर सख्त लगाम लगाने का प्रयास करता है। विधेयक में जबरदस्ती लालच धोखा भ्रम प्रलोभन या किसी की मजबूरी का फायदा उठाकर किए गए धर्म परिवर्तन को अवैध माना गया है। नाबालिगों के मामले में तो प्रावधान और भी सख्त हैं। अगर शादी के नाम पर धर्म परिवर्तन करवाया गया तो वह शादी भी रद्द मानी जाएगी और बच्चों का धर्म माता-पिता के मूल धर्म के आधार पर तय होगा। कोई व्यक्ति धर्म बदलना चाहे तो उसे कम से कम साठ दिन पहले जिला अधिकारी को सूचना देनी होगी। पुलिस स्वतंत्र रूप से कार्रवाई कर सकती है और एफआईआर किसी भी रिश्तेदार माता-पिता भाई-बहन या खून के रिश्तेदार द्वारा दी जा सकती है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि सबूत का बोझ आरोपी पर है उसे साबित करना होगा कि धर्मांतरण वैध था। सजा भी कड़ी है सात साल तक की जेल और एक लाख रुपये का जुमार्ना जबकि सामूहिक धर्मांतरण पर पांच लाख तक का जुमार्ना और दोबारा अपराध पर दस साल तक की सजा का प्रावधान है। यह विधेयक महज कानून नहीं बल्कि राज्य की सांस्कृतिक और सामाजिक संरचना को बचाने का एक प्रयास है। उद्धव ठाकरे का इस विधेयक को समर्थन देना महाराष्ट्र की राजनीति में एक दुर्लभ एकता का दृश्य प्रस्तुत करता है। महाविकास आघाड़ी के सहयोगी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने विधेयक को असंवैधानिक और एकपक्षीय बताया है लेकिन उद्धव ठाकरे ने अलग रास्ता चुना। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हर धर्म को स्वतंत्रता मिलनी चाहिए पर जबरदस्ती या लालच से धर्म बदलवाना गलत है। यह रुख उनके लिए आसान नहीं था क्योंकि इससे उनके गठबंधन में दरार साफ दिख रही है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं है बल्कि अवैध गतिविधियों को रोकने का माध्यम है। विधेयक पास होने के बाद अब विधान परिषद में चर्चा होगी और अगर वहां भी यह पारित हो गया तो महाराष्ट्र उन राज्यों की सूची में शामिल हो जाएगा जहां ऐसे कानून पहले से लागू हैं। उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मध्य प्रदेश गुजरात कर्नाटक और हरियाणा जैसे राज्यों में पहले ही सख्त प्रावधान हैं और इनके अनुभव से महाराष्ट्र सरकार ने भी सबक लिया है।

यह समर्थन उद्धव ठाकरे की राजनीतिक मजबूरी को भी उजागर करता है। पिछले चुनावों में हार के बाद उनकी पार्टी को अपनी मूल पहचान वापस हासिल करने की जरूरत है। हिंदुत्व के बिना शिवसेना की कल्पना मुश्किल है और उद्धव जानते हैं कि मुस्लिम वोटों पर अकेले भरोसा करके वे अपनी पारंपरिक हिंदू वोट बैंक को नहीं लौटा सकते। इसलिए यह घर वापसी उन्हें अपनी खोई हुई साख बचाने का मौका दे रही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह समर्थन केवल चुनावी रणनीति है या वास्तविक विचारधारा का पुनरागमन। जब वक्फ संशोधन विधेयक की बात आई तो उद्धव की पार्टी ने इसका विरोध किया था और तब एकनाथ शिंदे ने उन्हें ओवैसी की भाषा बोलने का आरोप लगाया था। अब उसी उद्धव का इस विधेयक पर समर्थन देखकर लगता है कि सत्ता की भूख और अस्तित्व के दबाव ने उन्हें पुरानी राह पर ला खड़ा किया है। महाराष्ट्र की राजनीति हमेशा से विचारधारा और सत्ता के बीच संतुलन का खेल रही है। बाल ठाकरे ने हिंदुत्व को अपनी राजनीति का आधार बनाया और उसी के दम पर शिवसेना को मजबूत किया। उद्धव ठाकरे ने 2019 में गठबंधन बदलकर सत्ता हासिल की लेकिन उसकी कीमत उनकी विचारधारा को चुकानी पड़ी। अब जब विधेयक पास हो चुका है और उद्धव ने अपना समर्थन जताया है तो भाजपा के लिए यह एक बड़ी रणनीतिक जीत है। इससे विपक्ष की एकता में दरार पड़ गई है और उद्धव की मजबूरी सामने आ गई है। देवेंद्र फडणवीस सरकार इस विधेयक के जरिए अपने कोर हिंदू वोट बैंक को संदेश दे रही है कि वे उनकी संस्कृति और अधिकारों के रक्षक हैं। साथ ही उद्धव का समर्थन हासिल करके उन्होंने विपक्ष को कमजोर करने का काम भी कर लिया है। लेकिन यह सब इतना सरल नहीं है। उद्धव ठाकरे को अब अपनी पार्टी के कार्यकताओं और मतदाताओं को यह समझाना होगा कि उनका यह रुख सुविधाजनक नहीं बल्कि सिद्धांत पर आधारित है। अगर वे हिंदुत्व की ओर मुड़ते हैं तो उन्हें अपने पुराने सहयोगियों से भी दूरी बनानी पड़ेगी। वहीं कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस विधेयक को अल्पसंख्यक विरोधी बताकर अपना वोट बैंक मजबूत करने की कोशिश करेंगे। महाराष्ट्र की जनता अब इस बदलाव को देख रही है। क्या उद्धव ठाकरे फिर से शेर की तरह दहाड़ पाएंगे और अपनी खोई हुई जमीन वापस हासिल करेंगे या यह सिर्फ एक अस्थायी पैंतरेबाजी साबित होगी। राजनीति में ऐसे मोड़ अक्सर आते हैं लेकिन सफलता तभी मिलती है जब विचारधारा और सत्ता दोनों का संतुलन बिठाया जाए। उद्धव ठाकरे का यह कदम महाराष्ट्र की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित कर सकता है। अगर वे हिंदुत्व को मजबूती से अपनाते हैं तो उनकी पार्टी को नई ऊर्जा मिल सकती है लेकिन अगर यह केवल मजबूरी का नतीजा साबित हुआ तो भविष्य में और मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। फिलहाल तो विधेयक पास हो चुका है और उद्धव का समर्थन स्पष्ट है। अब समय बताएगा कि यह घर वापसी कितनी मजबूत और स्थायी साबित होती है। महाराष्ट्र की जनता हमेशा से विचारधारा को प्राथमिकता देती आई है और अगर उद्धव ठाकरे अपनी जड़ों से जुड़ते हैं तो उन्हें जनसमर्थन मिल सकता है। लेकिन राजनीति का मैदान हमेशा अनिश्चित रहता है जहां एक गलत कदम पूरे सफर को बदल सकता है। इस मोड़ पर उद्धव ठाकरे को सावधानी से आगे बढ़ना होगा ताकि वे न सिर्फ अपनी पार्टी बचाएं बल्कि महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत को भी मजबूत करें। यह बदलाव सिर्फ एक विधेयक का समर्थन नहीं बल्कि एक लंबे राजनीतिक सफर का नया अध्याय है जो आने वाले दिनों में और गहराई ले सकता है।

रिश्वत लेने के मामले में चिकित्सा अधिकारी की सेवा समाप्त

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए जिला परिषद प्रशासन ने घूसखोरी के मामले में एक चिकित्सा अधिकारी की सेवा समाप्त कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गंजाड के अंतर्गत आने वाले उपकेंद्रों में भाड़े पर लगाई गई इको गाड़ी के बिल पास करने के लिए रिश्वत मांगने के आरोप में आंबेसरी भरारी पथक के चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय माणिक सांगले को 17 मार्च 2025 को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा गया था। लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग ने डहाणू तहसील के आशागड़ क्षेत्र में जाल बिछाकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। घटना की खबर उस समय समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया पर भी व्यापक रूप से प्रसारित हुई थी। बताया गया है कि डॉ. सांगले आंबेसरी स्थित भरारी पथक में कंत्राटी (संविदा) आधार पर कार्यरत थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी ने तत्काल उनकी सेवा समाप्ति का प्रस्ताव जिला परिषद प्रशासन को भेजा। इसके बाद मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने त्वरित निर्णय लेते हुए डॉ. विजय माणिक सांगले की सेवा समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार के भ्रष्टाचार एवं गैरकानूनी कृत्यों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा तथा ऐसे कार्यों में संलिप्त दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी।

साकीनाका की अनेक बस्तियों में गंदे पानी की आपूर्ति से बीमारी फैलने की आशंका

मुंबई। गर्मी के मौसम में जहां मुंबई की अनेक झोपड़पट्टियों में पानी की किल्लत शुरू हो गई है वहीं साकीनाका इलाके की कुछ झोपड़पट्टियों में गंदे पानी की आपूर्ति से नागरिक त्रस्त हैं। बताया जाता है कि गंदे पानी की आपूर्ति के कारण लोगों को पेट की बीमारी का सामना करना पड़ रहा है। उसके बाद भी मनपा एल वार्ड के जलविभाग अधिकारी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले कुछ समय से साकीनाका के खाड़ी क्रमांक तीन राजीव नगर, मिलिंद नगर, नेताजी नगर, बद्रीधाम सोसाइटी, सुंदरबाग और आसपास की झोपड़पट्टियों में मनपा की जलवाहिनियों में गंदे और बदबूदार पानी की आपूर्ति हो रही है। गंदे पानी की आपूर्ति से नागरिकों को खाना बनाने और पीने के लिए बिसलेरी के पानी का उपयोग करना पड़ रहा है। इस बारे में कुछ स्थानीय चिकित्सकों से संपर्क किए जाने पर उन्होंने बताया कि गंदे पानी की आपूर्ति के कारण अनेक लोगों को पेट की बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। चिकित्सकों का कहना है कि इस समय पानी उबालकर ही पिए। जिससे की पेट की बीमारी न हो। वहीं मनसे वार्ड क्रमांक 161 के शाखा अध्यक्ष फिरोज खान ने बताया कि अनेक झोपड़पट्टियों में मनपा द्वारा बिठाई गई जलवाहिनी काफी पुरानी हो चुकी हैं। जिन्हें बदलने की आवश्यकता है। इसके अलावा कुछ जगहों पर नालों के पास से पानी की पाइपें बिछाई गई हैं। इस कारण उन पाइपों में गंदे पानी की आपूर्ति होना स्वाभाविक है। ऐसे में फिरोज खान ने मनपा एल विभाग के जल अभियंता से दूषित और गंदे पानी की आपूर्ति की समस्या को सुलझाने की मांग की है।

केनडियर के ब्रांड एंबेसडर, शाहरुख खान बेमिसाल आत्मविश्वास के साथ आभूषण पहनते है

मुंबई। पुरुषों के आभूषणों का दौर अब आत्मविश्वास के साथ अपनी धाक जमा रहा है। जो आभूषण कभी सिर्फ खास आयोजनों पर ही पहने जाते थे, वे अब उनके हर दिन के स्टाइल का अहम हिस्सा बन चुके हैं। हल्की चेन से लेकर नक्काशीदार अंगूठियों और ब्रेसलेट तक, आज का आधुनिक पुरुष अपनी शख्सियत को निखारने के लिए आभूषणों को बखूबी अपना रहा है ऐसे डिजाइन जो पारंपरिक पहनावे और मॉडर्न आउटफिट्स, दोनों के साथ शानदार लगते हैं।

यह बदलाव आज के दौर के ट्रेंड में भी साफ झलकता है। केनडियर के ब्रांड एंबेसडर, शाहरुख खान, हमेशा से ही बेमिसाल आत्मविश्वास के साथ आभूषण पहनने के लिए जाने जाते हैं फिर चाहे वो लेयर्ड चेन हो, स्टेटमेंट रिंग्स हों या सादगी भरे ब्रेसलेट्स। उनका स्टाइल उस बड़े बदलाव का प्रतीक है जहाँ आभूषण अब सिर्फ खास मौकों की सजावट नहीं, बल्कि पर्सनल स्टाइल की एक सहज पहचान बन चुके हैं। आज का आधुनिक वार्डरोब जितना वर्सेटाइल है, उतनी ही खास है उसकी स्टाइलिंग जो त्योहारों की रौनक से लेकर ऑफिस की मीटिंग्स और शाम की महफिलों तक, हर जगह अपनी चमक बिखेरती है। ऐसे में वही आभूषण असली पहचान बनते हैं, जो हर पल के साथ घुल-मिल जाएं। एक नक्काशीदार अंगूठी, एक सादी लेकिन क्लासिक चेन, या एक शानदार ब्रेसलेटये आपके लुक पर हावी हुए बिना उसे एक मुकम्मल पहचान देते हैं। ये एक जश्न के कुर्ते के साथ भी उतने ही लाजवाब लगते हैं, जितने कि एक परफेक्ट फिटिंग वाले सूट के साथ। द डिजायरेबल प्लेटिनम एंड डायमंड रिंग - आज के आधुनिक पुरुष के लिए पेश है केनडियर की यह स्लीक रिंग जहाँ मॉडर्न डिजाइन और बेमिसाल कारीगरी का मिलाप होता है। लक्सोरा प्लेटिनम चेन - सादगी और चमक का बेजोड़ नमूना, लक्सोरा प्लेटिनम चेन को हर स्टाइल के साथ बड़ी सहजता से मेल बिठाने के लिए डिजाइन किया गया है। द स्टाइलिश मेंस गोल्ड स्टड ईयररिंग - बोल्ड और रिफाइंड अंदाज वाली केनडियर की यह गोल्ड स्टड ईयररिंग, ब्लैक इनेमल फिनिश और मॉडर्न ज्योमेट्रिक पैटर्न का एक शानदार मेल है। द एन्जो डायमंड पेंडेंट - केनडियर का एन्जो डायमंड पेंडेंट आधुनिक डिजाइन और रिफाइंड शालीनता का एक बेजोड़ मेल है। द ट्रैविस डायमंड कफ ब्रेसलेट - मजबूत बनावट और नजाकत का बेजोड़ संगम, ट्रैविस डायमंड कफ ब्रेसलेट एक कफ की बोल्डनेस और हीरों की हल्की चमक को एक साथ लाता है।

कोलाबा, मरीन लाइंस, नरीमन पॉइंट, मुंबई में बढ़ रहे हीट स्ट्रेस हॉटस्पॉट, मौसम की यह स्टडी चौंका देगी

मुंबई। महानगर में दिन तो दिन, रात में गर्मी हावी का होना महसूस किया जा सकता है। हाल ही में अध्ययनकर्ताओं के शोध में भी यह बात सामने आई है। वैज्ञानिक अध्ययनों में लोगों को आगाह किया गया कि मुंबई के कई इलाके 'हीट स्ट्रेस हॉटस्पॉट' में बदलते जा रहे है, जहां दिन के साथ रात में भी गर्मी कम नहीं होती। जर्नल साइंटिफ रिपोर्टर्स में प्रकाशित एक अध्ययन में अप्रैल, 2024 की हीटवेव का विश्लेषण किया गया। सैटेलाइट डेटा और शहरी जलवायु मॉडलिंग के आधार पर शोधकर्ताओं ने बीएमसी के विभिन्न वॉर्डों में गर्मी के जोखिम का आकलन किया। इसमें साउथ मुंबई के फोर्ट, कोलाबा, मरीन लाइंस और नरीमन पॉइंट, सेंट्रल मुंबई के लोअर परेल, दादर और वर्ली, पूर्वी उपनगर के चेंबूर, गोवंडी, मानखुर्द और पश्चिम उपनगर के अंधेरी, गोरेगांव, कांदिवली जैसे इलाके प्रमुख हॉटस्पॉट के रूप में चिह्नित किए गए। शोध के अनुसार घनी इमारतें, कंक्रीट सतहें और कम हरित क्षेत्र इन इलाकों में गर्मी को बढ़ा रहे है। विशेषज्ञों ने कहा कि पारंपरिक हीटवेव अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि जोखिम और संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर चेतावनी प्रणाली विकसित करनी होगी।

लू से बचाव के लिए समय रहते लोग सावधानी बरतें : जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले में दिन-ब-दिन बढ़ती गर्मी और तेज धूप के चलते नागरिकों के स्वास्थ्य पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी ने लोगों से लू (उष्माघात) से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है।

डॉ. चौधरी ने बताया कि तापमान में लगातार वृद्धि के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। लू के लक्षणों में तेज बुखार, आंखों में जलन, अत्यधिक प्यास लगना, चक्कर आना, अधिक पसीना आना, उल्टी, घबराहट और अत्यधिक थकान शामिल हैं। गंभीर स्थिति में त्वचा का रंग नीला पड़ना, शरीर का तापमान अचानक कम होना, रक्तचाप गिरना और नाड़ी की गति धीमी होना जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं।

उन्होंने नागरिकों को सलाह दी कि गर्मी के मौसम में हल्के रंग, विशेष रूप से सफेद कपड़े पहनें और काले कपड़ों से बचें। दोपहर के समय तेज धूप में भारी काम करने से परहेज करें। घर से बाहर निकलते समय सिर को टोपी, दुपट्टा या रूमाल से ढकें। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट के साथ सिर की अतिरिक्त सुरक्षा का ध्यान रखें। शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। इसके अलावा नींबू पानी, लस्सी और वाला (खस) का शरबत जैसे पेय पदार्थों का सेवन करना लाभदायक है। धूप से आने के तुरंत बाद ठंडा पानी पीने से बचें। आंखों की सुरक्षा के लिए सनग्लासेस का उपयोग करें और बाहर जाते समय पानी की बोतल साथ रखें। अंत में डॉ. चौधरी ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार के सदस्यों का भी ध्यान रखें और गर्मी के मौसम में होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव करें।

जायंट्स ग्रुप आफ भिवंडी सहेली द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए बाइक रैली का किया गया आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। जायंट्स ग्रुप ऑफ भिवंडी सहेली द्वारा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से महिला बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए ड्रग्स को कहें ना, योग अपनाएं और महिला सशक्तिकरण जैसे संदेशों के माध्यम से समाज को जागरूक किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष खिलना शाह, पूनम केनी, पूजा ताले, प्रियंका शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं। वहीं कल्पेश शाह, डॉ. नूर खान, जीवराज नगरिया और मुख्य अतिथि डॉ. स्वाति सिंह ने पहल की सराहना की। महापौर नारायण रतन चौधरी का भी विशेष सहयोग रहा। रैली का समापन महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता के संदेश के साथ हुआ।

शक की बुनियाद पर निर्दोष की पिटाई

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में एक युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाकर उसके साथियों ने जमकर मारहाण की। यह घटना केडीएमसी मुख्यालय के सामने हुई, जहां सुरक्षा रक्षक ने केवल तमाशा देखा। युवक का दोष नहीं था, फिर भी उसके साथ मारपीट की गई।

एक युवती ने आरोप लगाया कि युवक ने उसका हाथ पकड़ा, लेकिन युवक के साथियों ने बताया कि युवक का कोई दोष नहीं था। युवती के साथियों ने युवक को बड़ी बेरहमी से पिटाई की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। युवती के साथियों ने पत्रकारों को भी धमकी दी है। पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह घटना कल्याण के बाजारपेठ पुलिस स्टेशन के अंतर्गत हुई है। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। युवक का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

गुढीपाडवा के उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का होगा आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारतीय नववर्ष गुढीपाडवा के पावन अवसर पर पालघर में सांस्कृतिक व पारंपरिक उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। संस्कार भारती, पालघर तथा गुढीपाडवा शोभायात्रा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार 19 मार्च 2026 को भव्य शोभायात्रा एवं सांगीतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

चैत्र शुद्ध प्रतिपदा, शालिवाहन शक 1948 के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 6:00 बजे श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर, माहीम रोड से होगी, जहां 7:30 बजे तक मधुर संगीत के साथ नववर्ष का स्वागत किया जायेगा। कार्यक्रम में स्टार प्रवाह के छोटे उस्ताद फेम कु. प्रथा

पाटील, संजय महाजन एवं जगदीश भारद्वाज अपनी गायन प्रस्तुति से समां बांधेंगे। संगीत संगत में तबले पर राहुल चंपानेरकर और संवादिनी पर अंकुश घरत साथ देंगे।कार्यक्रम का संचालन प्रीती कल्पेश पाटील द्वारा किया जायेगा। इसके पश्चात सुबह 7:30 बजे मंदिर परिसर से भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए हुतात्मा स्मारक पर समाप्त होगी। शोभायात्रा में पारंपरिक वेशभूषा, ढोल-ताशा के साथ ही साथ सांस्कृतिक झांकियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा का प्रदर्शन किया जायेगा। आयोजकों ने पालघर के नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर इस आयोजन को सफल बनाएं और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में अपना योगदान दें। कार्यक्रम के मुख्य आयोजकों में दिनेश तारवी एवं कल्पेश पाटील शामिल हैं। वहीं आयोजन को सफल बनाने में एड. जयेश आव्हाड, सागर पाटील, मनीष पिंपले और सागर घरत का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

कृष्णा कदम राष्ट्रभक्ति राज्यस्तरीय पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में मेडिकल हेल्प डेस्क के माध्यम से हजारों जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराते हुए चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले संस्थापक अध्यक्ष कृष्णा कदम को पुणे में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रभक्ति राज्यस्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कृष्णा कदम ने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को समय पर और उचित उपचार मिल सके, इसके लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उनके मार्गदर्शन में विभिन्न स्वास्थ्य शिविर, मुफ्त जांच और उपचार की व्यवस्था की जाती है, जिससे अनेक मरीजों को नया जीवन मिला है। उनके इस सेवाभावी कार्य से हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिली है। चिकित्सा क्षेत्र के साथ-साथ उन्होंने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए हर वर्ष गरीब और जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण, खेल प्रतियोगिताओं में सहयोग तथा धार्मिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभाई है। उनके बहुआयामी योगदान को ध्यान में रखते हुए पुणे में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

विप्र फाउंडेशन बोईसर का स्नेह होली मिलन समारोह संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। विप्र फाउंडेशन की ओर से बोईसर-तारापुर औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत स्थित उमरगांव इंडस्ट्रियल गैसेज परिसर में शनिवार 14 मार्च 2026 को स्नेह होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। रंगों और खुशियों से सराबोर इस कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर आपसी प्रेम, सौहार्द व भाईचारे का संदेश दिया।

समारोह के दौरान समाज के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर चर्चा की गई। विशेष रूप से बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु पुस्तक वितरण, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, अशिक्षित एवं जरूरतमंद बालिकाओं के विवाह में सहयोग तथा समाज के पिछड़े वर्ग के उत्थान जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन बोईसर प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, मार्गदर्शक रविकांत पाण्डेय, एड. शोभनाथ त्रिपाठी, स्वामीनाथ पाण्डेय, अमरेन्द्र शुक्ला, रामभवन त्रिपाठी, अमित दुबे, विवेक चौबे, वरुण मिश्रा, बृजेश पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय, अरविंद शर्मा, पंकज पाण्डेय, प्रेमशंकर तिवारी, जयप्रकाश दुबे तथा पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

सभी वक्ताओं ने समाज को एकजुट होकर संगठित रूप से आगे बढ़ने तथा विकास की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

भिवंडी में विधायक महेश चौगुले के जन्मदिन पर विशाल मुफ्त नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन, 370 लोगों ने उठाया लाभ

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी पश्चिम विधानसभा के भाजपा विधायक महेश चौगुले के जन्मदिन के उपलक्ष में एक विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुफ्त नेत्र जांच, दवा वितरण और चश्मा वितरण की व्यवस्था की गई, जिससे बड़ी संख्या में नागरिकों ने लाभ उठाया। यह शिविर भिवंडी सुविधा मंच के अध्यक्ष पुनमचंद आर. गुप्ता के नेतृत्व में तथा तारा नेत्रालय, मीरा रोड के तत्वाधान में ह्लजगदीश आई शिविरह्व के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सागर मोटर्स, वर्धमान अपार्टमेंट, कल्याण नाका, भिवंडी में किया गया। शिविर में कुल 370 लोगों ने नेत्र जांच कराई, जिनमें से 288 लोगों को मुफ्त चश्मे वितरित किए गए, जबकि 327 लोगों को आवश्यक दवाइयां दी गईं। इसके अलावा 26 मरीजों को मोतियाबिंद शल्यक्रिया के लिए चिन्हित किया गया, जिनका आगे उपचार कराया जाएगा। इस सामाजिक सेवा कार्य को सफल बनाने में पूनमचंद गुप्ता, राजू अग्रवाल और सुशील रोहरा की अहम भूमिका रही। इस प्रकार का जनसेवा कार्यक्रम क्षेत्र में सराहनीय पहल के रूप में देखा जा रहा है।

सेंट्रल स्क्वेयर फाउन्डेशन की 'भारत सर्वे फॉर एडटेक' रिपोर्ट जारी

मुंबई। सेंट्रल स्क्वेयर फाउन्डेशन, जो नई दिल्ली में स्थित एक प्रमुख गैर-लाभकारी संस्था है और प्राथमिक शिक्षा सुधारों के क्षेत्र में काम करती है, हाल ही में 'भारत सर्वे फॉर एडटेक' (BaSE) का दूसरा संस्करण लॉन्च किया। यह फाउंडेशन द्वारा किया गया अपनी तरह का पहला बड़े पैमाने का राष्ट्रीय सर्वेक्षण है। यह सर्वेक्षण महाराष्ट्र में कम आय वाले परिवारों के माता-पिता, बच्चों और शिक्षकों के बीच शिक्षण और सीखने के लिए तकनीक की पहुंच और उसके इस्तेमाल के बारे में जानकारी देता है। इस सर्वेक्षण के नतीजे लगभग 1,500 लोगों पर किए गए एक अध्ययन पर आधारित हैं, जिनमें 1,250 परिवार और 250 शिक्षक शामिल हैं। परिवारों पर किए गए सर्वेक्षण में उन परिवारों पर ध्यान केंद्रित किया गया जिनके 6 से 18 साल के बच्चे सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और कम से मध्यम फीस वाले निजी स्कूलों में पढ़ते हैं। इन्हीं जगहों के शिक्षकों का भी सर्वेक्षण किया गया ताकि यह बेहतर ढंग से समझा जा सके कि कक्षाओं के भीतर तकनीक का इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है।

महाराष्ट्र से मिले राज्य-स्तरीय नतीजे डिजिटल पहुंच और तकनीक-आधारित शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रुझानों को उजागर करते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 93% परिवारों के पास कम से कम एक स्मार्टफोन है, और इनमें से 54% परिवारों के पास एक से ज्यादा स्मार्टफोन हैं, जिससे घर के भीतर डिजिटल पहुंच संभव हो पाती है। कम से कम 85% बच्चों की पहुंच स्मार्टफोन तक है, जिनमें से 61% बच्चे रोजाना इसका इस्तेमाल करते हैं; हालाँकि, ज्यादातर बच्चे अपने लिए अलग डिवाइस होने के बजाय साझा पहुंच पर निर्भर रहते हैं। स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले बच्चों में से 74% बच्चे डिवाइस का इस्तेमाल करते समय इंटरनेट भी चला पाते हैं, हालाँकि कुछ मामलों में कनेक्टिविटी में रुकावट आ सकती है।

सर्वेक्षण में यह भी पाया गया है कि राज्य के 96% बच्चे एडटेक टूल्स के बारे में जानते हैं, और 91% बच्चे सीखने के लिए सक्रिय रूप से तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले प्लेटफॉर्म में YouTube (एडटेक इस्तेमाल करने वाले 94% बच्चों द्वारा प्रयुक्त), उसके बाद WhatsApp (73%), Google (54%), WhatsApp/Meta AI (17%) और ChatGPT (11%) जैसे टूल्स शामिल हैं। सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि राज्य के 100% शिक्षक एडटेक टूल्स के बारे में जानते हैं, और 98% शिक्षक पढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से इनका इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले प्लेटफॉर्म में YouTube (81% EdTech इस्तेमाल करने वाले टीचर इसका इस्तेमाल करते हैं), उसके बाद Google (74%), WhatsApp (73%), DIKSHA (56%) और ChatGPT (39%) जैसे टूल शामिल हैं।

सर्वे में शिक्षा के क्षेत्र में जनरेटिव अक के बारे में जागरूकता और उसके शुरूआती इस्तेमाल के बारे में भी जानकारी दी गई है। EdTech इस्तेमाल करने वाले 49% बच्चों ने AI के बारे में सुना है और 43% बच्चे जानते हैं कि इसका इस्तेमाल सीखने के लिए कैसे किया जाता है। EdTech इस्तेमाल करने वाले 33% बच्चे सीखने के लिए GenAI का इस्तेमाल करते हैं; इनमें से 42% बच्चे हफ़्ते में कई बार इसका इस्तेमाल करते हैं, जबकि 50% बच्चे रोजाना इसका इस्तेमाल करते हैं। टीचरों की बात करें तो, EdTech इस्तेमाल करने वाले 95% टीचरों ने AI के बारे में सुना है और 92% टीचर जानते हैं कि इसका इस्तेमाल पढ़ाने के लिए कैसे किया जाता है।

EdTech इस्तेमाल करने वाले 61% टीचर पढ़ाने और स्कूल से जुड़ी गतिविधियों के लिए GenAI का इस्तेमाल करते हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अनियंत्रित ऑटो रिक्शा के पलटने से दो की मौत, तीन घायल

कलीम सिद्दीकी

सरायख्वाजा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कोईरीडीहा दिया मार्केट के पास बुधवार सुबह लगभग 11 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। सवारियों से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया, जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार, ऑटो में सवार यात्री अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कोईरीडीहा मार्केट के पास चालक संतुलन खो बैठा और ऑटो पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। उपचार के दौरान गुलाब चंद्र (55 वर्ष) की मौत हो गई, जबकि एक अन्य मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

घायलों में निलेश (22 वर्ष) पुत्र फेकू गौतम निवासी फतेहपुर, दीदारगंज (जनपद आजमगढ़), इंतजार (23 वर्ष) पुत्र मुमताज निवासी बारा दूरियां, कटघरा कोतवाली तथा नीतू (55 वर्ष) पत्नी अजय सोनकर निवासी सुगरपुर, गुरैनी, खेतासराय शामिल हैं। सभी का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

घटना की सूचना पर खेतासराय पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुँवर पब्लिक स्कूल की दो छात्राओं का राज्य खो-खो टीम में चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा क्षेत्र के रइया गुलजारगंज स्थित प्रतिष्ठित कुँवर पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय की दो मेधावी छात्राओं– अंशिका यादव और आनन्दी मौर्य– का उत्तर प्रदेश राज्य खो-खो टीम में चयन हुआ है, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। आठवीं कक्षा की छात्रा अंशिका यादव, रामनगर गांव निवासी मैनबहादुर यादव की पुत्री हैं, जबकि छठी कक्षा की आनन्दी मौर्य, डमरुआ (बनपुरवा) गांव निवासी सुरेंद्र मौर्य की पुत्री हैं। दोनों छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, शिक्षकगण, अभिभावकों और ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किया है।

बीते 28 फरवरी को जनपद के गुलाबी देवी महाविद्यालय, सिद्दिकपुर में आयोजित जिलास्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में कुँवर पब्लिक स्कूल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए चयन समिति ने अंशिका और आनन्दी को राज्य टीम में शामिल किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रबंधक रोहित सिंह यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छात्राओं का राज्य स्तर पर चयन विद्यालय के लिए गौरव का विषय है और यह उनके समर्पण व कठिन परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रधानाचार्य बिनय प्रकाश ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। वहीं खेल प्रशिक्षक एवं नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट आशीष यादव, धर्मेंद्र पाल तथा विद्यालय के मंगेश कनौजिया सहित अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। चयन की खुशी में विद्यालय परिसर में मिठाई बांटी गई और छात्राओं को सम्मानित किया गया।

गैस किल्लत के विरोध में सपा नेत्री का अनोखा प्रदर्शन, नाली में पाइप डालकर चाय बनाने का प्रयास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एलपीजी गैस की किल्लत और बढ़ती कीमतों के विरोध में समाजवादी महिला सभा की प्रदेश सचिव उषा जायसवाल के नेतृत्व में महिलाओं ने अनोखा प्रदर्शन किया। इस दौरान नाली में पाइप डालकर गैस बनाने और उससे चाय तैयार करने का प्रतीकात्मक प्रयास किया गया।

प्रदर्शन के दौरान सपा नेत्री ने कहा कि लगातार बढ़ती गैस की कीमतों और आपूर्ति की समस्या से आम जनता खासकर महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने में विफल रही है, जिससे रसोई का बजट बिगड़ता जा रहा है।

उषा जायसवाल ने कहा कि यह प्रदर्शन प्रधानमंत्री द्वारा बताए गए गैस उत्पादन के दावे के विरोध में किया गया, जो जमीनी स्तर पर कारगर साबित नहीं हो रहा है। उन्होंने मांग की कि एलपीजी गैस की बढ़ी हुई कीमतें तत्काल वापस ली जाएं और आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। प्रदर्शन में पूनम यादव, पिंकी गुप्ता, सुशील यादव, मालती निषाद, शिल्पा जायसवाल, प्रीति जायसवाल, चंदा निषाद और पूनम निषाद सहित कई महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं। सपा महिला सभा ने चेतावनी दी कि जब तक गैस की कीमतों में कमी और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

शिक्षक व आध्यात्मिक गुरु रामप्यारे दुबे के निधन पर दी गई श्रद्धांजलि, जनपद में शोक की लहर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सर्वोदय इंटर कॉलेज, खुदौली के सेवानिवृत्त प्रवक्ता एवं प्रख्यात आध्यात्मिक गुरु रामप्यारे दुबे का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने खुटहन क्षेत्र के दौलतपुर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से पूरे जनपद में शोक की लहर दौड़ गई।

रामप्यारे दुबे ने अपने शिक्षकीय जीवन में 33 वर्षों तक सेवा दी और संस्कृत व हिंदी के प्रकांड विद्वान के रूप में पहचान बनाई। वे मराठी और अंग्रेजी भाषा पर भी समान रूप से अधिकार रखते थे। कर्मकांड के विद्वान होने के साथ-साथ वे एक आध्यात्मिक गुरु के रूप में भी विख्यात थे। उन्हें मध्य प्रदेश के धारकुंडी आश्रम से गुरु बाबा की उपाधि प्राप्त थी।

उन्होंने अपने जीवन में हजारों शिष्यों को संस्कार, सत्य और चरित्र निर्माण की शिक्षा दी। उनके सान्निध्य में सदैव जिज्ञासुओं का जमावड़ा लगा रहता था।

परिवार में उनके पुत्र डॉ. प्रमोद कुमार दुबे लखनऊ में प्रख्यात नेत्र चिकित्सक हैं, जबकि उनके भाई रामअनुज दुबे प्रवक्ता पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

निधन के बाद उनके आवास पर सुबह से ही श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे और पूर्व प्रधानाचार्य राम आनंद पांडे सहित कई गणमान्य लोगों ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार चंद्रकांत दुबे, पंडित अवधेश दुबे तथा पत्रकार संतोष दुबे समेत कई लोग उपस्थित रहे।

जनपद के शिक्षकों, सामाजिक कार्यकताओं और उनके शिष्यों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है।

दिव्यांग युवक की पिटाई, आरोपी पर कार्रवाई की मांग

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में दिव्यांग युवक के साथ मारपीट की घटना सामने आने के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है। पीड़ित संतोष कुमार (पुत्र बनवासी), जो दोनों हाथों से दिव्यांग हैं, के साथ कथित रूप से बेरहमी से मारपीट की गई। मिली जानकारी के अनुसार, गांव के ही राहुल (पुत्र लल्लू यादव), निवासी चक पीढ़वा, ने संतोष कुमार पर डंडे से हमला कर दिया। हमले में संतोष कुमार की पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद पीड़ित ने स्थानीय थाने में लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है। मामले में पुलिस अधिकारी प्रवीण कुमार यादव ने जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक आरोपी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है और उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है।

रसोई गैस की किल्लत और मूल्य वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज रसोई गैस सिलेंडर की कमी और लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं ने बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन कर नारेबाजी की और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

धरना को संबोधित करते हुए डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की जनता महंगाई और अव्यवस्था से परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के दावे जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं और गैस की किल्लत इसका स्पष्ट प्रमाण है। महिला जिलाध्यक्ष रेखा सिंह ने कहा कि गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें लगी हैं और लोगों को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, जिससे घरों में चूल्हे ठंडे पड़ रहे हैं। जिला उपाध्यक्ष शेर बहादुर सिंह ने आरोप लगाया कि आपदा के समय में भी सरकार ने एलपीजी और कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतें बढ़ाकर जनता पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। जिला महासचिव प्रियंका सिंह ने गैस बुकिंग की समस्या उठाते हुए कहा कि टोल-फ्री नंबर काम नहीं कर रहे हैं, जिससे लोगों को और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जय प्रकाश मिश्रा ने कहा कि मौजूदा सरकार आम जनता को मूलभूत सुविधाएं देने में विफल साबित हो रही है। जिला सचिव इरशाद खान ने सवाल उठाया कि यदि गैस आपूर्ति सुचारू है, तो एजेंसियों पर इतनी भीड़ क्यों दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि लोग अपना काम छोड़कर घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। प्रदर्शन में नवल किशोर श्रीवास्तव, अशोक तिवारी, सुरेश दुबे, लोकेश दुबे, विनय मिश्रा, पारसनाथ शुक्ला, उमेश दुबे, प्रतिभा यादव, निशा बानो, आकांक्षा मिश्रा, वीरेंद्र पाठक, विश्वनाथ गौतम, बृजेश उपाध्याय, लालती, मंजू, सावित्री पटेल और मनोरमा गौतम सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उद्यमिता की दिशा में सोच विकसित करें छात्र: शेखर आनंद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव रसायन विभाग में उद्योगझशिक्षा समन्वय को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र (एलुमनाई) एवं शेखर आनंद, सह-संस्थापक, हीथॉक्स-के प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली ने सहभागिता की। अपने संबोधन में श्री आनंद ने छात्रों को केवल रोजगार तक सीमित न रहकर उद्यमिता की दिशा में सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार उन्होंने थैलेसीमिया एवं सिकल सेल एनीमिया से ग्रसित नवजात शिशुओं के लिए डायग्नोस्टिक किट विकसित की, जिससे समय पर पहचान कर बेहतर उपचार एवं प्रबंधन संभव हो सके और रोगियों के जीवन की गुणवत्ता एवं अवधि में सुधार किया जा सके। उन्होंने विचार (आइडिया) से उत्पाद (प्रोडक्ट) तक की पूरी यात्रा, अनुसंधान, नवाचार तथा विभिन्न फंडिंग स्रोतों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. राजेश शर्मा के निर्देशन में किया गया। अंत में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने मुख्य वक्ता, उपस्थित प्राध्यापकों एवं छात्रों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजीव कुमार मौर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ.एस.पी. तिवारी, डॉ. सिपाही लाल, डॉ. दिनेश कुमार सहित शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

चन्दवक क्षेत्र में युवक की हत्या से सनसनी, कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने परिजनों से की मुलाकात

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चन्दवक थाना क्षेत्र के ग्राम सभा गोबरा में बुधवार को सच्चिदानंद मिश्रा की निर्मम हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं ग्रामीणों में भी आक्रोश देखा जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि मृतक द्वारा पूर्व में दी गई

शिकायतों पर पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखाई, जिससे यह घटना घटित हुई। उन्होंने पुलिस की लापरवाही को घटना का कारण बताया है। घटना की जानकारी मिलने पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मामले का संज्ञान लिया। उनके निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल गांव पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जिला उपाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार गिरि ने किया। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह के निदेर्शानुसार पहुंचे नेताओं ने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और घटना की जानकारी ली। डॉ. संतोष कुमार गिरि ने बताया कि पीड़ित परिवार से बातचीत के बाद घटना बेहद दुखद और चिंताजनक प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जानकारी प्रदेश नेतृत्व को दे दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आश्वासन दिया है कि मामले को गंभीरता से उठाया जाएगा और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

प्रतिबंधित साखू लकड़ी से भरा ट्रक पकड़ाया

अंतरराज्यीय लकड़ी तस्कर गिरोह पर हुई बड़ी कार्रवाई

रेणुकूट सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। प्रभागीय वनाधिकारी रेणुकूट के निर्देशन में वन विभाग की उड़ाका दल टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय लकड़ी तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ किया। टीम ने प्रतिबंधित प्रजाति सांखू की लकड़ी से भरा एक ट्रक पकड़ लिया, जो छत्तीसगढ़ से बिहार ले जाया जा रहा था।

कार्रवाई का नेतृत्व पिपरी रेंजर राघवेंद्र कुमार ने किया। मुखबिर की सूचना पर सुबह से ही टीम ट्रक (नंबर वढ 70 ठळ 9564) का पीछा कर रही थी। मुरधवा मोड़ के पास ट्रक चालक ने टीम को चकमा देने की कोशिश की, लेकिन पीछा जारी रखते हुए वन विभाग की टीम ने उसे राबर्ट्सगंज मंडी के पास पकड़ लिया। जांच के दौरान ट्रक चालक पंचम सिंह से लकड़ी से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका।

इस दौरान एक फॉरच्यूनर वाहन से ट्रक की रेकी किए जाने की भी जानकारी सामने आई।

जब टीम ट्रक को अपने कब्जे में लेकर रेणुकूट ले जाने लगी, तो कुछ दबंग लोगों ने हस्तक्षेप करने का प्रयास किया। हालांकि स्थानीय वन रेंज के सहयोग से स्थिति को नियंत्रित करते हुए लकड़ी लदे ट्रक को सोनभद्र वन प्रभाग के सुपुर्द कर दिया गया।

इस कार्रवाई में उड़ाका दल रेणुकूट के वन दरोगा रवि यादव, छोटेलाल तथा वनरक्षक शैलेन्द्र यादव और हिमांशु मौर्य की सक्रिय भूमिका रही। वन विभाग द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बभनी में तीन छात्रों ने नवोदय परीक्षा में लहराया परचम, क्षेत्र में खुशी की लहर

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बभनी शिक्षा क्षेत्र के तीन मेधावी छात्र-छात्राओं ने जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इनकी सफलता से पूरे इलाके में खुशी का माहौल है।

प्राथमिक विद्यालय नवाटोला प्रथम की छात्रा खुशी कुमारी (पुत्री स्व. संतोष गुप्ता, निवासी परसा टोला) ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद शानदार प्रदर्शन करते हुए परीक्षा उत्तीर्ण की और 43वां स्थान प्राप्त किया। पिता के निधन के बाद वह अपनी मां के संरक्षण में पढ़ाई कर रही हैं। विद्यालय की अध्यापिका रीता यादव, एआरपी अमित कुमार, शिक्षामित्र वीरेंद्र गुप्ता एवं रेखा गुप्ता ने खुशी को सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया।

वहीं, होली लाइट पब्लिक स्कूल बभनी के छात्र प्रिंस कुमार (पुत्र राजेश कुमार, निवासी पोखरा) ने 96.25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्कूल के प्रबंधक श्याम नारायण पांडेय ने छात्र को सम्मानित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इसके अलावा, कंपोजिट विद्यालय घघरा के छात्र रोहित कुमार ने 68 वीं रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

तीनों छात्रों की इस उपलब्धि पर खंड शिक्षा अधिकारी बभनी राकेश कुमार पांडेय ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आशीष मिश्रा बने मनोनीत सभासद, क्षेत्र में खुशी की लहर

सुशील कुमार तिवारी

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 9(1)(घ) के अंतर्गत राज्यपाल द्वारा आशीष मिश्रा को मनोनीत सभासद नियुक्त किए जाने की घोषणा के बाद क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। घोषणा के बाद समर्थकों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। जगह-जगह मिठाइयाँ बांटी गईं और लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी।

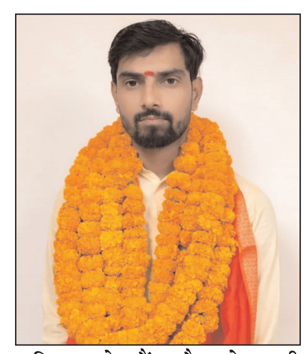

आशीष मिश्रा लंबे समय से सामाजिक व राजनीतिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं और क्षेत्र की जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। उनकी नियुक्ति को जनता ने उनके समर्पण और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का सम्मान बताया है।

समर्थकों का कहना है कि उनके सभासद बनने से क्षेत्र के विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी और जनता की समस्याओं का समाधान तेजी से होगा।

आशीष मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और ईमानदारी व निष्ठा के साथ क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करेंगे। स्थानीय लोगों ने भी विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलेगी और आमजन को इसका लाभ मिलेगा।

पंडित राजकृष्ण शर्मा के आवास पर सुंदरकांड पाठ व होली मिलन समारोह संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम सभा गौरा बेलवा में भाजपा नेता पंडित राजकृष्ण शर्मा के आवास पर सुंदरकांड पाठ एवं होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।

मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील कुमार उपाध्याय ने कहा कि होली का पर्व सामाजिक समरसता, सौहार्द, समानता और एकता का संदेश देता है, जबकि सुंदरकांड पाठ समाज को संस्कार, संस्कृति और मयार्दा की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा और मजबूती आती है।

कार्यक्रम की शुरूआत सुंदरकांड गायन टोली द्वारा पाठ और भजन-कीर्तन से हुई, जिसने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और फूलों की होली खेलकर शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता पं. राधा कृष्ण शर्मा ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं।

इस अवसर पर डॉ. आरबी चौहान (डायरेक्टर, कमला हॉस्पिटल मछलीशहर), संतोष कुमार दूबे, आशीष शुक्ला, बिनोद सेठ, सुरेन्द्र पाठक, अशोक सिंह, बाल कृष्ण शर्मा, जगदीश चौहान, सुधीर पटेल, राजेन्द्र पटेल, नामवर सरोज, रविन्द्र पाठक, अभय यादव, कन्हैया लाल पांडेय, कमलेश सिंह, अनीस सरोज, संजीव गुप्ता, प्रवीण पाण्डेय, अभिषेक रावत, घनश्याम मिश्रा (अध्यक्ष, अधिवक्ता संघ मड़ियाहूं), साहब दूबे, पिंटू गुप्ता, सूर्यबली गौतम, महाबली पांडेय, राज बहादुर यादव सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा और पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहा।

केन्द्र व प्रदेश की सरकार सभी मुद्दों पर विफल: डॉक्टर पल्लवी पटेल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के मड़ियाहूं विधान सभा क्षेत्र के रानीपुर चौराहे के बगल में अपना दल के नेता व सिराथू विधायक डां पल्लवी पटेल ने मण्डलीय समता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार यूजीसी लागू करने का काम करें तथा ओबीसी समाज की जातिगत जनगणना जल्द से जल्द करायें। अगर लागू नहीं हुआ तो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करने के लिए बाध्य हूं ।जो समाज सबसे अधिक वोट देकर सरकार बनाने का कार्य किया है। वही सरकार उन तमाम गरिबों व बहुजनों का हक अधिकार को खाने में जुटी है। उन्होंने यह भी कहा की स्वास्थ्य व शिक्षा को लेकर सरकार पुरी तरह से विफल है। यह सरकार सिर्फ भाषण में काम कर रही है। यूजीसी, आरक्षण वह जाति जनगणना को लेकर कहा की सरकार अगर बहुजनों समाज की मांग नहीं मानती है तो आने वाले समय में यही बहुजन समाज के लोग इस सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने का काम करेंगे ।विधायक ने कहा कि वर्तमान परिवेश में पुरे प्रदेश में गुण्डा राज और अराजकता का माहौल बना हुआ है। देश व प्रदेश में बेरोजगारी चरम सीमा पर है। बोरोजगारों की एक लम्बी कतार लगी हुई है। उन्होंने कहा की केन्द्र व प्रदेश की दोनों सरकारें सभी मुद्दों पर पुरी तरह से विफल है। सरकार सिर्फ दिखावा करने में लगी हुई है। पुरे प्रदेश में दिन प्रतिदिन कहीं ना कहीं लूट, हत्या, बलात्कार जैसी जघन्य घटनाएं हो रही है ।इसी क्रम में कार्यक्रम को हरिश खान, अभय पटेल, राजेश पटेल, गगन यादव सहित तमाम वक्ताओं ने भी अपना विचार व्यक्त किया ।कार्यक्रम का संचालन उमेश पटेल व अध्यक्षता अवधेश सरोज ने किया ।कार्यक्रम संयोजक दीनानाथ सरोज रहे।

खर्गसेनपुर-सोहनी मार्ग की बदहाली से तंग ग्रामीणों का प्रदर्शन, 'रोड नहीं तो वोट नहीं' की चेतावनी

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खर्गसेनपुर-सोहनी सड़क मार्ग की जर्जर हालत से परेशान ग्रामीणों का धैर्य बुधवार को जवाब दे गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क पर उतर आए और निर्माण की मांग को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान 'रोड नहीं तो वोट नहीं' के नारे लगाकर प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को चेतावनी दी गई।

थानागद्दी से जलालपुर जाने वाले मुख्य मार्ग पर खर्गसेनपुर नहर पुलिया से सोहनी गांव को जोड़ने वाली लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क पिछले दस वर्षों से खस्ताहाल बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे आवागमन बेहद कठिन हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जहां पहले यह दूरी 5 मिनट में तय होती थी, अब उसी में 30 मिनट तक का समय लग रहा है। ग्रामीणों में भारी आक्रोश प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सड़क निर्माण की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़क की मरम्मत या निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो आगामी चुनाव में इसका जवाब दिया जाएगा। बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद। प्रदर्शन में पूर्व ग्राम प्रधान श्यामलाल विश्वकर्मा, संतोष सिंह, दुर्गा प्रसाद शुक्ला, अजय सरोज, सुरेन्द्र विश्वकर्मा, डब्बू मौर्या, जीतेन्द्र राम, पिंटू प्रजापति, राहुल सरोज, संकेत यादव, छेदी सिंह, उमेश, अमन, रामलोचन, जमुना, राजेन्द्र और रामबृज सरोज समेत कई ग्रामीण शामिल रहे।

विधायक राजन नाइक ने विधानसभा में वसई-विरार शहर के सुनियोजित विकास हेतु दिए सुझाव दिए

नालासोपारा। नालासोपारा के भाजपा विधायक राजन नाइक ने विधानसभा में वसई-विरार शहर के सुनियोजित विकास को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों से लंबित डेवलपमेंट प्लान (डीपी) की प्रक्रिया रद्द कर इसे तुरंत मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर के नेतृत्व में किसी अनुभवी व विशेषज्ञ संस्था को सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने ठाणे की तर्ज पर क्लस्टर प्लान लागू करने की भी मांग की। नाइक के अनुसार, शहर में योजनाबद्ध विकास की कमी के कारण बड़ी संख्या में अनधिकृत निर्माण हुए हैं और अधिकांश आरक्षित भूखंडों पर अतिक्रमण है। नगर निगम के पास पर्याप्त विशेषज्ञ मानव संसाधन भी नहीं है। उन्होंने महाराष्ट्र रीजनल एंड टाउन प्लानिंग एक्ट 1966 के सेक्शन 162 का हवाला देते हुए राज्य सरकार से हस्तक्षेप कर विशेषज्ञ समिति गठित करने की मांग की। राज्य शहरी विकास राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने जवाब में बताया कि नवंबर 2025 से अतिरिक्त प्लानिंग अधिकारियों की नियुक्ति के बाद डीपी का कार्य शुरू हो चुका है और इसे तीन वर्षों में पूरा किया जाएगा। साथ ही इस विषय पर उच्चस्तरीय बैठक भी आयोजित की जाएगी। नाइक ने यह भी मांग की कि वसई-विरार के बेहतर भविष्य के लिए पूर्णकालिक वरिष्ठ अधिकारी (आईएएस) की नियुक्ति की जाए और प्लानिंग प्रक्रिया को तेज किया जाए।

भाजपा नेता रीता निलेश सिंह ने राज्यसभा सांसद अरुण सिंह से की शिष्टाचार भेंट

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी, मुंबई महिला मोर्चा की नेता रीता निलेश सिंह ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया और विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा की। रीता निलेश सिंह ने बताया कि अरुण सिंह के प्रेरणादायी विचार और मार्गदर्शन उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने इस आत्मीय मुलाकात के लिए उनका हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। मुलाकात को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें पार्टी की भावी रणनीतियों और महिला मोर्चा की भूमिका पर भी चर्चा होने की संभावना जताई गई है।

वसई वॉर्ड 97 में श्रीमती कंचन सोनी का जन्मदिन मनाया गया

वसई। वसई वॉर्ड 97 के कार्यालय में आज महिला मोर्चा वसई की नेता और कार्यकर्ता श्रीमती कंचन सोनी का जन्मदिन बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वार्ड नंबर 23 की नगरसेविका श्रीमती निम्मी दोशी और वसई वॉर्ड 23 के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। सभी ने श्रीमती कंचन सोनी को लंबी आयु और सुख-समृद्धि की शुभकामनाएं दी। इस दौरान वसई मंडल के पदाधिकारी लालजी कनोजिया, कल्पेश चौहान, सुरेश हेगड़े, सामाजिक कार्यकर्ता निपुण दोशी, मनोज कुलकर्णी, और उत्तर शक्ति न्यूज के रिपोर्टर मुंबई से नरेंद्र सोनी भी उपस्थित रहे। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता और पदाधिकारी बबीता शर्मा, प्रिया प्रेमलवर, रूमाबेन, पूर्णिमा राजगोर, जयश्रीबेन ने भी जन्मदिन के इस मौके पर हर्षोल्लास व्यक्त करते हुए श्रीमती कंचन सोनी को हार्दिक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में सभी ने मिलकर जन्मदिन के अवसर को यादगार बनाया और सामाजिक एकता एवं सहयोग की भावना को उजागर किया।

टीच फॉर इंडिया के फैलोशिप आवेदनों की अंतिम तिथि 22 मार्च

मुंबई। समानतापूर्ण शिक्षा के लिए समर्पित, टीच फॉर इंडिया ने घोषणा की है कि इसकी 2026 फैलोशिप की अंतिम तिथि 22 मार्च, 2026 है। इस फैलोशिप के माध्यम से फैलोज को भारत में शिक्षा के भविष्य को आकार देने तथा बच्चों के जीवन में स्थायी परिवर्तन लाने का अवसर मिलेगा। फैलोशिप प्रोग्राम के अलावा, फैलोज को दो वर्षीय पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम (चार सेमेस्टर) करने का सुनहरा अवसर भी मिलेगा, जिसके बाद उन्हें मास्टर इन ट्रांसफॉर्मेशनल लर्निंग की डिग्री प्रदान की जाएगी। इस दौरान वो कम संसाधनों वाले स्कूलों में वेतन पाते हुए फुल-टाईम टीचिंग का अनुभव भी ले सकेंगे। चयनित फैलो किफायती प्राईवेट स्कूलों या इंग्लिश मीडियम सरकारी स्कूलों में फुल-टाईम टीचर के रूप में काम करेंगे। यहाँ पर वो भारत में मौजूद असमानता तथा शैक्षिक पिछड़ेपन के मूल कारणों पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। ट्रांसफॉर्मेशनल लीडरशिप में मास्टर्स डिग्री एक दिलचस्प और कठोर लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम है, जो फैलोशिप का ज्यादा गहरा अनुभव प्रदान करता है। यह उन विभिन्न पहलुओं की गहराई में जाता है, जो आज कक्षाओं की शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसमें कक्षाओं की संस्कृति से लेकर डेटा आधारित निर्देश और आकलनों, शिक्षा में लीडरशिप, हितधारकों की सहभागिता और सामुदायिक प्रोजेक्ट्स आदि को शामिल किया गया है। इसमें कला और खेल की शिक्षा, नीति और सार्वजनिक सेक्टर, शिक्षा की टेक्नोलॉजी और स्कूल लीडरशिप आदि पर गहन सत्रों को भी शामिल किया गया है। इस घोषणा के बारे में श्री अश्वथ भरत, सीनियर डायरेक्टर, मूवमेंट बिल्डिंग, टीच फॉर इंडिया ने कहा, ह्यहम हर साल उन युवाओं के जोश से प्रेरणा पाते हैं, जो टीच फॉर इंडिया फैलोशिप द्वारा लीडर बनने की ओर पहला कदम उठाते हैं। यह साल बहुत खास है क्योंकि हम सफल पायलट फेज के बाद मास्टर्स डिग्री प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं। फैलोशिप करने और मास्टर्स डिग्री प्राप्त करने के बाद प्रत्याशी रिसर्च और डॉक्टर्स की पढ़ाई कर सकेंगे तथा टीच फॉर के कार्यक्रमों एवं अन्य संगठनों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे पाएंगे। हमें उम्मीद है कि यह फैलोज को इनोवेटिव परिवर्तन का नेतृत्व करने तथा समानतापूर्ण शिक्षा की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने में समर्थ बनाएगा। आज टीच फॉर इंडिया से 1,000 से अधिक फैलो जुड़े हैं, जो शिक्षा के माध्यम से एक सद्भावनापूर्ण और समानतापूर्ण भारत का निर्माण करने की ओर बढ़ रहे हैं। इस फैलोशिप में क्लासरूम नेतृत्व द्वारा सिस्टम में दीर्घकालिक परिवर्तन लाने की अद्वितीय क्षमता है।

परमीशन ओपीडी की, किया जा रहा था ऑपरेशन, केराकत का वंदना पॉलिक्लिनिक सीज

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सीएमओ के निर्देश पर एडिशनल सीएमओ डॉ. आलोक सिंह ने बुधवार को केराकत कस्बे स्थित वंदना पॉलीक्लिनिक की आकस्मिक जांच की और ऑपरेशन कक्ष को सील कर दिया। यह कार्रवाई उस समय की गई जब मुख्य चिकित्सा अधिकारी को क्लिनिक के खिलाफ गंभीर शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जांच के दौरान एडिशनल सीएमओ ने पाया कि क्लिनिक में नियमों का उल्लंघन करते हुए ऑपरेशन किए जा रहे थे, जबकि स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस क्लिनिक को केवल ओपीडी सेवाएं संचालित करने की ही अनुमति दी गई थी। मौके पर आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की गई, जिसमें कई अनियमितताएं सामने आईं। प्राथमिक जांच में यह भी संकेत मिले कि क्लिनिक में अवैध रूप से गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी कराई जा रही थी, जो कि गंभीर चिकित्सकीय और कानूनी उल्लंघन है। शिकायतकर्ताओं ने इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग को पूर्व में भी सूचित किया था, जिसके बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ ने तत्काल जांच के आदेश दिए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल सीएमओ ने मौके पर पहुंचकर वंदना पॉलीक्लिनिक को सीज कर दिया। साथ ही, क्लिनिक के संचालन से जुड़े सभी संबंधित अभिलेखों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जांच अधिकारी डॉ अलोक कुमार सिंह का कहना है कि क्लिनिक संचालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जनस्वास्थ्य से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और अन्य निजी क्लिनिक संचालकों में भी सतर्कता बढ़ गई है। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी इस प्रकार की अवैध चिकित्सा गतिविधियां संचालित होती दिखाई दें, तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

युद्धग्रस्त क्षेत्रों से नागरिकों की निकासी पर मिशन मोड में काम कर रहे भारतीय मिशन

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत सरकार और विदेशों में स्थित भारतीय मिशन अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। भारतीयों को निकालने के लिए कई वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक करीब 2.44 लाख भारतीय सुरक्षित स्वदेश लौट चुके हैं। युद्ध के बीच फंसे हुए भारतीयों को वापस लाने के लिए एक ओर जहां भारत सरकार पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व के तमाम देशों के शीर्ष नेतृत्व के साथ संपर्क में है, वहीं दूसरी ओर विदेशों में स्थित भारतीय मिशन पूरी तरह से मिशन मोड में काम कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 17 मार्च को एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में बताया कि लगभग 700 भारतीय नागरिक ईरान से जमीनी रास्ते के जरिए आर्मेनिया और अजरबैजान पहुंच चुके हैं, जहां से वे भारत लौट रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्ईरान गए 284 तीर्थयात्री भी सफलतापूर्वक आर्मेनिया पहुंच गए हैं। इनमें से 130 तीर्थयात्री आज दिल्ली पहुंचेंगे। जायसवाल ने बताया कि विदेश मंत्रालय का कंट्रोल रूम पूरी तरह सक्रिय है और भारतीय नागरिकों की सहायता कर रहा है। उन्होंने बताया कि आने वाले फोन और ईमेल की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने कतर एयरवेज की उड़ानों के जरिए 1,600 से अधिक भारतीयों की निकासी में सहायता की है। दूतावास ने सूचित किया कि वह सऊदी अरब के लिए अस्थायी ट्रांज़िट वीजा की सुविधा प्रदान कर रहा है, जिससे उन लोगों को मदद मिलेगी, जो सलवा सीमा के रास्ते जमीनी मार्ग से भारत लौटना चाहते हैं। दूतावास ने कहा कि उनका कार्यालय आने वाले पूरे हफ़्ते खुला रहेगा, ताकि पासपोर्ट जारी करने सहित अन्य कांसुलर सेवाएं प्रदान की जा सकें। इसके अलावा दूतावास ने एक एक्स पोस्ट में यह भी बताया कि कार्यालय के सहयोग से चल रहे राहत कार्यों के तहत, कतर में रहने वाले भारतीय मछुआरा समुदाय के सदस्यों को सूखा राशन वितरित किया जा रहा है।

तिलकधारी महिला महाविद्यालय में एनएसएस शिविर का शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तिलकधारी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन उमानाथ सिंह सभागार में आयोजित समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. वंदना सिंह ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। समारोह में ग्राम शिवापर के प्रधान संतोष यादव एवं मातापुर के सभासद अंकित्य सिंह बिट्टू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्राचार्य ने अपने संबोधन में स्वयंसेविकाओं को एनएसएस के उद्देश्य और उसके प्रतीक चिन्ह के महत्व से अवगत कराते हुए समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। उप प्राचार्य डॉ. प्रमिला पांडे ने मैं नहीं, आप के ध्येय वाक्य को समझाते हुए सेवा भावना को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. चित्रलेखा सिंह ने किया। शिविर के प्रथम दिन आयोजित बौद्धिक सत्र में पूर्व पुलिस अधीक्षक राम मोहन सिंह ने छात्राओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएं, कर्मचारीगण एवं स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं।

इंदौर की वो रात जो सात ज़िंदगियाँ निगल गई, सावधानी रखें

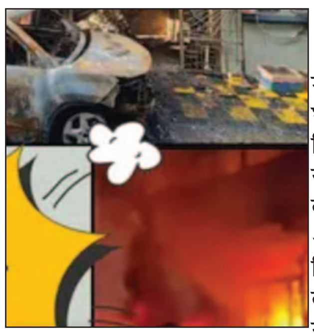

प्रणीत तिवारी चीफ ब्यूरो

इंदौर (उत्तर शक्ति)। इंदौर के महालक्ष्मी नगर में एक जैन परिवार के घर में लगी आग ने सात लोगों को जिंदा जला दिया और तीन घायल हैं। यह सिर्फ एक हादसा नहीं था, यह लापरवाही, अज्ञानता और गलत आदतों का वो घातक संगम था। जिसकी कीमत दो परिवारों के सात लोगों ने अपनों की जान देकर चुकाई। सूत्रों अनुसार आग की शुरूआत ईवी कार की चार्जिंग से हुई। रात को चार्जिंग पर लगाकर सो जाना आज लाखों घरों की आदत बन चुकी है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि कई बार खराब बैटरी सेल, सस्ते चार्जर, पुरानी इलेक्ट्रिक वायरिंग या रात भर चार्जिंग एक टाइम बम की तरह होती है। उस घर में यही टाइम बम फट गया। आग भड़की तो रुकी नहीं, क्योंकि घर के अंदर पंद्रह गैस सिलेंडर भरे रखे थे। एक के बाद एक सिलेंडर फटते गए और आग ने देखते ही देखते पूरे घर को अपनी लपेट में ले लिया। इसके साथ ही घर में पॉलिमर केमिकल का भी भंडार था जो कारोबार के लिए रखा गया था, उसने आग को इतनी रफ्तार दी कि बुझाना लगभग नामुमकिन हो गया। और सबसे दर्दनाक पहलू यह था कि जब लोग भागना चाहते थे, तो दरवाजे का इलेक्ट्रॉनिक लॉक बिजली जाते ही बंद हो गया। जो तकनीक सुरक्षा के लिए लगाई थी, वही उनकी मौत बन गई।

युवा शक्ति के संकल्प से जगमगाया एनएसएस शिविर, सेवा-संस्कार से विकास का संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ महाविद्यालय परिसर में उत्साह, ऊर्जा और सामाजिक प्रतिबद्धता के माहौल में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख करंजाकला मम्मन यादव उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि मम्मन यादव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि युवा वर्ग सेवा, स्वच्छता, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरण को अपने जीवन का उद्देश्य बना ले, तो गांवों में विकास की नई इबारत लिखी जा सकती है। विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने स्वयंसेवकों को मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन अहमद अब्बास खान और सुमित सिंह ने प्रभावशाली ढंग से किया। द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के डीन प्रो. अजय कुमार दुबे ने कौशल विकास को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने अनुशासन, समय प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच को सफलता की कुंजी बताया।

विशिष्ट अतिथि टीडी कॉलेज के समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. हरिओम त्रिपाठी ने एनएसएस को सामाजिक समरसता और सेवा भावना का सशक्त मंच बताते हुए विद्यार्थियों को समाज से जुड़कर कार्य करने की प्रेरणा दी। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक जागरूकता का प्रभावी माध्यम है। शिविर के जरिए युवाओं में सेवा और समर्पण की भावना विकसित होती है। इस दौरान अतिथियों का अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रतिनिधि रामसूरत मौर्य, संजीव चौरसिया, डॉ. जीवन यादव, आर.पी. सिंह, डॉ. ममता सिंह (कार्यक्रम अधिकारी), डॉ. नीलेश सिंह, डॉ. विवेक विक्रम सिंह, डॉ. अमित जायसवाल, डॉ. अरविंद यादव, डॉ. प्रज्वलित यादव, प्रवीण यादव सहित महाविद्यालय परिवार के सदस्य और सैकड़ों स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाएं मौजूद रहीं।

वसई में विधायक कप क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन

वसई। वसई गांव के पश्चिम चिमाजी अप्पा मैदान में आज विधायक कप क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन और शुरूआत हुई। इस अवसर पर नगरसेविका श्रीमती निम्मी दोशी और कॉर्पोरेटर प्रदीप पवार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में कई टैलेंटेड और मशहूर खिलाड़ियों और टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में रणजी क्रिकेट खिलाड़ी और अंडर-19 के उभरते सितारे भी शामिल हैं। वसई से आयुष म्हात्रे ने भी अपनी टीम के साथ हिस्सा लिया। नगरसेविका श्रीमती निम्मी दोशी ने इस अवसर पर नए क्रिकेट खिलाड़ियों से बातचीत की और उनकी एनर्जी देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उद्घाटन समारोह में सभी ने नारियल फोड़कर प्रतियोगिता की शुरूआत की और दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर वसई विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित की तरफ से सभी उपस्थित महानुभावों और कार्यकताओं को धन्यवाद दिया गया। इस खास मौके पर अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे, जिनमें कॉर्पोरेटर निम्मी निपुण दोशी, कॉर्पोरेटर प्रदीप भाई पवार, इखढ जनरल सेक्रेटरी बिजेंद्र कुमार, स्टेट ऑफिसर मयंक शेठ, वसई सिटी बोर्ड प्रेसिडेंट गीतांजलि दरीवाला, जनरल सेक्रेटरी चेतन विल्लीकर, संतोष काकड़, नॉर्थ इंडियन सेल प्रेसिडेंट अशोक मिश्रा, माइनॉरिटी सेल प्रेसिडेंट सुशील ओगले, बोर्ड वाइस प्रेसिडेंट अनिल राउत, विजय शिंदे, सुनील तंडालेकर और अन्य सक्रिय कार्यकर्ता तथा ऑफिस-बेयरर शामिल थे। वसई के खेल प्रेमियों और युवा खिलाड़ियों के लिए यह आयोजन नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आया है।

मुंबई-दरभंगा और हावड़ा के लिए नई एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू करने की मांग

वसई। पालघर सांसद डॉ. हेमंत सावरा की केंद्रीय रेल मंत्री से महत्वपूर्ण अनुरोध पालघरः पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर पालघर और आसपास के यात्रियों की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण रेल मांगें रखीं। डॉ. सावरा ने तीन अलग-अलग पत्रों के माध्यम से रेल मंत्री से अनुरोध किया कि मुंबई से हावड़ा के लिए वसई रोड/पालघर होकर नई एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जाएं। उन्होंने बताया कि भायंदर, वसई रोड, पालघर और बोईसर से वलसाड बेल्ट के कई यात्री नियमित रूप से मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और पश्चिम बंगाल की यात्रा करते हैं। वर्तमान में इन्हें लंबी दूरी की ट्रेनें पकड़ने के लिए मुंबई के मुख्य स्टेशनों तक जाना पड़ता है, जिससे विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों और परिवारों को असुविधा होती है। सांसद सावरा ने विशेष रूप से यह मांग किया कि मुंबई-वसई-पालघर-दरभंगा रूट पर दो नई ट्रेनें चलाई जाएं ताकि यात्रियों को सुविधा और यात्रा में राहत मिले। लंबी दूरी की ट्रेनों को दहानू रोड स्टेशन पर रोका जाए। यह स्टेशन दहानू, वानगांव, बोइसर, बोर्डी, घोलवाड़, उंबरगांव, तलासरी, जव्हार और विक्रमगढ़ की बड़ी आबादी के लिए महत्वपूर्ण है। भविष्य में प्रस्तावित वधान पोर्ट से यात्री संख्या में वृद्धि की संभावना है। वर्तमान ट्रेनों में दहानू रोड पर रुकने के अनुरोध के तहत निम्नलिखित ट्रेनें शामिल हैं। जिसमें 22943/22944 दौंड-इंदौर एक्सप्रेस (वसई रोड के रास्ते) 12471/12472 बांद्रा टर्मिनस-जम्मू तवी स्वराज्य एक्सप्रेस (बोरीवली के रास्ते) 12479/12480 बांद्रा टर्मिनस-जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस (बोरीवली के रास्ते) डॉ. सावरा ने रेल मंत्री से अनुरोध किया कि वे इन मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करें और संबंधित अधिकारियों को जनहित में कार्रवाई का निर्देश दें। सांसद ने कहा, ह्इन नई ट्रेन सेवाओं से न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र की रेल यातायात क्षमता और विकास में भी सुधार होगा।

विधानसभा में वसई-विरार के डेवलपमेंट प्लान पर उठी आवाज, स्नेहा दुबे पंडित ने रखे अहम मुद्दे

मुंबई/वसई-विरार। वसई-विरार के भविष्य से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण डेवलपमेंट प्लान (डीपी प्लान) का मुद्दा हाल ही में विधानसभा में जोर-शोर से उठाया गया। नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजन नाइक द्वारा इस विषय को सदन में रखा गया, जिस पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लेते हुए कई गंभीर और आवश्यक मुद्दों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। अपने विस्तृत प्रेजेंटेशन में स्नेहा दुबे पंडित ने बताया कि वसई का मौजूदा डेवलपमेंट प्लान समाप्त हुए पांच वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन नए प्लान को लेकर अभी तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। उन्होंने यह भी उजागर किया कि वसई-विरार महानगरपालिका के अंतर्गत आने वाले 53 गांवों में से 21 राजस्व गांवों की योजना अब भी लंबित है, जो क्षेत्र के संतुलित विकास में बड़ी बाधा बन रही है। उन्होंने वसई की ग्रीन बेल्ट को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की, जिसे ह्मुंबई की ऑक्सीजनह्व कहा जाता है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहे अवैध निर्माण पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा हैं और इसे बचाने के लिए तुरंत सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। विधायक पंडित ने बुलेट ट्रेन, मेट्रो, कोस्टल रोड और अलीबाग कॉरिडोर जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को ध्यान में रखते हुए एक दूरदर्शी और सुव्यवस्थित विकास योजना बनाने पर जोर दिया। उन्होंने वर्ल्ड-क्लास अर्बन प्लानर्स, पर्यावरण विशेषज्ञों और इंफ्रास्ट्रक्चर विशेषज्ञों की एक स्वतंत्र समिति गठित करने की भी मांग की। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में बढ़े हुए एफएसआई को कम किया जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जा सके। इस दौरान उन्होंने वसई के नागरिकों द्वारा ग्रीन बेल्ट को बचाने के लिए किए गए संघर्ष का उल्लेख करते हुए भावनात्मक अपील भी की। चर्चा में भाजपा विधायक योगेश सागर ने भी भाग लिया और अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इस पर जवाब देते हुए राज्य मंत्री माधुरी सतीश मिसाल ने सरकार का पक्ष स्पष्ट करते हुए आश्वासन दिया कि नया डेवलपमेंट प्लान निर्धारित समय सीमा में घोषित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नवंबर 2025 से एक विशेष टीम इस योजना पर कार्य कर रही है और इसमें सभी प्रमुख प्रोजेक्ट्स को शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही यह भी घोषणा की गई कि जल्द ही संबंधित अधिकारियों, कंसल्टेंट्स, विधायक स्नेहा दुबे पंडित और विधायक राजन नाइक की उपस्थिति में एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें विस्तृत समीक्षा की जाएगी। विधानसभा में हुई इस चर्चा में यह स्पष्ट संकेत मिला कि सरकार वसई-विरार के संतुलित और सतत विकास को लेकर गंभीर है और विशेषज्ञों की सलाह से एक व्यापक डेवलपमेंट प्लान तैयार करने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

सिद्धि दुबे का जन्मदिन मनाया गया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर जनपद विकास खंड मुंगराबादशाहपुर, सुजानगंज बाईपास पर स्थित गीता वेल्डिंग कार्पोरेशन के संचालक कृष्ण चंद दूबे के आवास पर पौत्री सिद्धि दुबे की जन्मदिन दिनांक 17 मार्च 2026 दिन मंगलवार को बड़े धूमधाम से मनाया गया। जिसमें परिवार के सभी सदस्य रवि दूबे, निक्की रवि दूबे, राजू दूबे, सोनू राजू दूबे, दादा कृष्ण चंद्र दुबे, दादी श्रीमती गीता कृष्ण चंद दूबे, अयोध्या तिवारी ,सोनल तिवारी , माता पिता श्रीमती सोनू राजू दुबे ने केक काट कर सिद्धि बिटिया का मुंह मिठा कराया और आशीर्वाद प्रदान किया। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, लीलावाती मिश्रा, राजू कृष्ण चंद दूबे की पुत्री सिद्धि राजू दूबे का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया। उपस्थित सभी लोगों ने बिटिया को आशीर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने आशिर्वाद देते हुए कहा कि मृग के कस्तूरी की सुगन्ध के भांति सिद्धि बिटिया की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले। जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं।

दहानू-तलासरी इलाके के गांवों को हाईवे से जोड़ने की मांग

पालघर। पालघर खासदार डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने केंद्रीय सड़क परिवहन और हाईवे मंत्री, नितिन गडकरी को एक रिप्रेजेंटेशन देकर पालघर लोकसभा क्षेत्र के दहानू-तलासरी इलाके के आदिवासी गांवों को नेशनल हाईवे से जोड़ने के लिए नई सड़क बनाने की जरूरी मांग की है।

मौजूदा हालात और लोगों को हो रही परेशानीः अभी, दहानू और तलासरी तालुका के कई आदिवासी गांव जैसे बोर्डी, घोलवाड़, कोसबद, रामपुर, भिनारी, जंबूगांव, झाई, बोरीगांव, जलवाई, असावली, खुनवाडे, नागबांध, नांगनाकास, डोंगरीपाड़ा (दहानू), परसपाड़ा और डोंगरीपाड़ा (तलासरी) नेशनल हाईवे से सीधे नहीं जुड़े हैं। अभी, इस गांव के लोगों को नेशनल हाईवे NH-48 तक पहुंचने के लिए चारोटी की तरफ 42 किलोमीटर, तलासरी नॉर्थ की तरफ 42 किलोमीटर या भिलाड की तरफ 48 किलोमीटर का सफर करना पड़ता है। इसमें बहुत समय लगता है और लोगों को जरूरी सर्विस मिलने में बहुत मुश्किल होती है। नया प्रस्तावित रास्ताः स्थानीय लोगों की मांग पर, खासदा रडॉ. सावरा ने यह नया रास्ता प्रस्तावित किया हैः प्रस्तावित रास्ताः असवाली (घाट रास्ते से उत्तर की ओर मुड़ते हुए) से करजगांव (पाटिलपाड़ा) - धमणगांव - सवाने - वडावली दूरीः यह रास्ता असवाली और करजगांव (पाटिलपाड़ा) के बीच 5-7 किलोमीटर और धमणगांव और वडावली के बीच 7-9 किलोमीटर लंबा होगा। नई सड़क के फायदेः अगर यह नई सड़क बन जाती है, तो इलाके के आदिवासी गांवों को सीधी हाईवे कनेक्टिविटी मिल जाएगीः वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे (लगभग 13 किलोमीटर दूर), ठल्-48 नेशनल हाईवे (लगभग 18 किलोमीटर दूर) पालघर ज़िले के आदिवासी भाइयों के बड़े जनहित और विकास की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय सड़क परिवहन और हाईवे मंत्रालय को इस प्रस्ताव पर तुरंत ध्यान देना चाहिए। साथ ही, खासदार डॉ. हेमंत सावरा ने चिट्ठी में आग्रह किया है कि संबंधित अधिकारियों को इस सड़क का निरीक्षण करने और एक सही प्लान के तहत इसके विकास के लिए कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाए।

भव्य राम मंदिर को देखकर अत्यंत भावुक नजर आईं मालती कृपाशंकर सिंह

अयोध्या। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह अपनी सादगी और साधारण जीवन शैली के लिए भी जाने जाते हैं। खासकर धार्मिक स्थलों पर वे आम आदमी की तरह भगवान के दरबार में पहुंचना पसंद करते हैं। अपने धर्मपत्नी मालती सिंह, पुत्र संजय सिंह के साथ कृपाशंकर ने आज अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। इसके पहले कल शाम उन्होंने सरयू आरती में भी भाग लिया। आमतौर पर गाड़ियों के लंबे काफिले तथा पुलिस प्रोटेक्शन के बीच चलने वाले कृपाशंकर सिंह आज अपनी धर्मपत्नी के साथ ऑटो में बैठकर रामलला के दर्शन करने के लिए जाते दिखाई दिए। इस बारे में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि आज उनके बेटे संजय का जन्मदिन है । ऐसे में उन्होंने अपने पूरे परिवार के साथ पूरी श्रद्धा और सादगी के साथ भगवान के दर्शन कर स्वस्थ और खुशहाल जीवन की प्रार्थना की। भक्ति भाव में डूबे कृपाशंकर ने कहा कि भगवान के दर्शन सरल और सहज भाव से करने के लिए मन में सच्ची श्रद्धा, विनम्रता और निस्वार्थ प्रेम का होना आवश्यक है। अहंकार रहित होकर, निश्छल मन से की गई प्रार्थना और ध्यान ही ईश्वर से संबंध जोड़ते हैं। मंदिर, मूर्ति या मन में प्रभु की छवि के समक्ष भावपूर्ण होकर दर्शन करना ही सच्चा दर्शन है। भव्य राम मंदिर को देखकर मालती सिंह अत्यंत भावुक नजर आई। राम मंदिर बनने के बाद पहली बार वे अयोध्या पहुंची थी। दर्शन करने तक वह लगातार सीताराम सीताराम कहती रही। इसके पहले उन्होंने टेंट में भगवान श्री राम का दर्शन किया था और तब उन्होंने भगवान श्री राम का भव्य मंदिर बनाने की बात कही थी। यही नहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी उन्होंने भगवान राम का मंदिर बनाने की बात कही थी।राम मंदिर निर्माण के पूर्व उन्होंने अपने परिवार की तरफ से पंच धातु की ईट भेज कर भगवान राम के प्रति अपनी आस्था और विश्वास को प्रकट किया था।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने रामगढ़, झारखंड में सड़क सुरक्षा सीखने की पहल शुरू की

रामगढ़। सुरक्षित और जिम्मेदार सड़क उपयोग को बढ़ावा देने के अपने लगातार प्रयासों के तहत होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने झारखंड के रामगढ़ में एक संगठित सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल में मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग, महर्षि परमहंस कॉलेज और डॉ. एस. राधाकृष्णन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के 2000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम ने रोजमर्रा के ट्रैफिक से जुड़ी जागरूकता को एक रोचक और सीखने योग्य अनुभव में बदल दिया।अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा से जुड़े जागरूकता सत्र, रोचक खेल, प्रश्नोत्तरी और परिस्थितियों पर आधारित चर्चाएँ आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य प्रतिभागियों को सुरक्षा के सिद्धांतों को वास्तविक जीवन की स्थितियों से जोड़कर समझाना था।

सैमसंग ने लॉन्च किया गैलेक्सी M17e 5G

मुंबई। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज गैलेक्सी M17e 5G को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह स्मार्टफोन 20 मार्च से Samsung.com,अमेजन और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा, जिसकी शुरूआती कीमत 13,999 रुपये रखी गई है। गैलेक्सी ट सीरीज सैमसंग के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन लाइन-अप में से एक है, और गैलेक्सी M17e 5G इसी विरासत को आगे बढ़ाता है। युवा भारतीय उपभोक्ताओं की लगातार बदलती (डायनामिक) जरूरतों को पूरा करने के लिए, यह स्मार्टफोन प्रमुख फीचर्स– एक स्मूथ डिस्प्ले, लंबी चलने वाली बैटरी, दमदार परफॉर्मेंस, शानदार कैमरे और स्मार्ट सॉफ्टवेयर– में भरोसेमंद परफॉर्मेंस और रोजमर्रा के इस्तेमाल की शानदार सुविधा देता है। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के डायरेक्टर, अक्षय एस राव ने कहा, गैलेक्सी M17e 5G ऐसे इनोवेशन और अनुभव देता है जो जेन जी के लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। मूल्य (वैल्यू) को महत्व देने वाले ये युवा यूजर्स ऐसे डिवाइस चाहते हैं जिनमें लंबी बैटरी लाइफ, स्मूथ ऐप परफॉर्मेंस, हाई-क्वालिटी फोटोग्राफी और प्रोडक्टिविटी (उत्पादकता) बढ़ाने वाले स्मार्ट फीचर्स हों। हाई-रिफ्रेश-रेट डिस्प्ले, बड़ी बैटरी, पावर-एफिशिएंट 5G प्रोसेसर, 50MP कैमरा सिस्टम, इंटीग्रेटेड एआई टूल्स और लंबे समय तक सॉफ्टवेयर सपोर्ट के साथ, गैलेक्सी M17e 5G एक ऐसा भरोसेमंद स्मार्टफोन अनुभव सुनिश्चित करता है जिसकी इस पीढ़ी को तलाश है। गैलेक्सी M17e 5G में 120Hz रिफ्रेश रेट के साथ 6.7 इंच की स्क्रीन दी गई है, जो यह सुनिश्चित करती है कि हर स्क्रॉल, स्वाइप और टैप एकदम स्मूथ (निर्बाध) लगे। चाहे आप अपना पसंदीदा ओटीटी कंटेंट स्ट्रीम कर रहे हों या सोशल मीडिया ब्राउज कर रहे हों, इसका डिस्प्ले सटीक रंगों और शार्प क्लैरिटी के साथ विजुअल्स पेश करता है। वाइब वॉयलेट और ब्लिट्ज ब्लू रंगों में उपलब्ध, गैलेक्सी M17e 5G स्लीक लुक और फंक्शनल डिजाइन का एक बेहतरीन संगम है। इसका मजबूत ग्लास फाइबर रेनफोर्स्ड पॉलिमर बैक और धूल व पानी से बचाव के लिए रेटेड टिकाऊ बनावट, इसे एक्टिव लाइफस्टाइल वाले युवा यूजर्स के लिए एक भरोसेमंद साथी बनाती है। वहीं, इसका एर्गोनॉमिक 8.2mm स्लिम प्रोफाइल हाथ में पकड़ने पर एक आरामदायक अहसास देता है।

बलरामपुर में विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण, गुणवत्ता और पारदर्शिता पर विशेष जोर

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। आदर्श नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने नगर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया और चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों की गहन समीक्षा की। अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी परियोजनाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप, पूर्ण पारदर्शिता के साथ और समयबद्ध तरीके से उच्च गुणवत्ता में पूरी हों। निरीक्षण के दौरान उन्होंने झारखंडी सरोवर, रानी तालाब शिव मंदिर, श्री हनुमान मंदिर, चौक बाजार स्थित घंटाघर और बुद्धा पार्क (माया होटल के निकट) सहित अन्य निर्माणाधीन परियोजनाओं का दौरा किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता, मानकता और तकनीकी प्रक्रियाओं का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि किसी भी प्रकार की लापरवाही की गुंजाइश न रहे।

डॉ. सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि नगर के विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण भी प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि जनहित, विरासत संरक्षण और सतत विकास के प्रति नगर पालिका की प्रतिबद्धता सदैव अटल और दृढ़ रहेगी। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी लाल चंद्र मौर्य, डी पी सिंह, गुड्डू सिंह, बंटी सिंह, जे.ई. सिविल अवनीश यादव, जे.ई. जल धर्मेन्द्र गौड, सफाई निरीक्षक दिवाकर पाण्डेय, राजस्व निरीक्षक राजेश कुमार, संजय शुक्ला, शुभेंद्र गौरव, शिवम मिश्रा, सत्य प्रकाश सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस व्यापक निरीक्षण से यह स्पष्ट होता है कि नगर प्रशासन विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता को लेकर पूरी तरह सजग है और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

लखनऊ में चौहान सामाजिक एवं राजनीतिक एकता विचार गोष्ठी शानदार रूप से सम्पन्न

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। चौहान समाज की सामाजिक एवं राजनीतिक एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से 15 मार्च को एक भव्य विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में चौहान समाज की छोटी-बड़ी 22 राजनीतिक पार्टियों और लगभग 25 सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एक मंच पर बैठकर गहन चिंतन-मंथन किया। गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चौहान समाज एक बड़ा वर्ग है, जिसकी जनसंख्या लगभग 7 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है और यह ओबीसी वर्ग में शामिल है। जनसंख्या के लिहाज से यह यादव समाज के बाद दूसरे स्थान पर माना जाता है। इसके बावजूद राजनीतिक रूप से असंगठित रहने के कारण समाज को अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है। वक्ताओं ने यह भी कहा कि चौहान समाज परंपरागत रूप से राष्ट्रवादी विचारधारा का समर्थक रहा है और लंबे समय से बड़ी संख्या में वोट देता रहा है, लेकिन इसके बावजूद राजनीतिक हिस्सेदारी संतोषजनक नहीं रही, जिससे समाज में निराशा देखने को मिल रही है। इन्हीं मुद्दों को ध्यान में रखते हुए कुर्सी रोड स्थित मिश्रपुर में आयोजित इस गोष्ठी में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में चौहान समाज से जुड़े सभी राजनीतिक दल आपसी मतभेद भुलाकर एक गठबंधन के तहत चुनाव लड़ेंगे और प्रमुख दलों को संयुक्त रूप से चुनौती देंगे। बैठक में यह भी बताया गया कि प्रदेश में लगभग 70 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां चौहान समाज निर्णायक भूमिका निभाने की क्षमता रखता है। कार्यक्रम का आयोजन इंजीनियर पी. एल. सिंह चौहान के नेतृत्व में चौहान कोऑर्डिनेशन कमेटी, डॉ. रामनाथ चौहान, एडवोकेट दुर्गादत्त सिंह एवं चौहान कल्याण सोसाइटी, लखनऊ के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से आए डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, व्यवसायी एवं बुद्धिजीवी वर्ग सहित करीब 200 लोगों ने भाग लिया। समग्र रूप से यह विचार गोष्ठी अत्यंत सफल रही और चौहान समाज की एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कांति दत्त की 738 किमी साइकिल यात्रा सफल

मुंबई। उद्यमी और अल्ट्रा डिस्टेंस साइकिलिस्ट कांति दत्त ने हैदराबाद से मुंबई तक की अपनी 738 किलोमीटर लंबी साइकिल यात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर ली। सात दिनों तक चले इस सफर में उन्होंने तेलंगना, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे तीन राज्यों को पार किया। इस अभियान का समापन इनऑर्बिट मॉल, वाशी में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के साथ हुआ, जहां बड़ी संख्या में फिटनेस उत्साही मौजूद रहे। यह साइकिल यात्रा स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य लोगों को सक्रिय और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना और समुदाय आधारित फिटनेस को बढ़ावा देना है। पूरे सफर के दौरान विभिन्न शहरों और मार्गों पर पुलिस प्रशासन का सहयोग मिला, जिससे यह यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से पूरी हो सकी। इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव पुणे में रहा, जहां कांति दत्त ने 500 किलोमीटर का माइलस्टोन फीनिक्स मार्केटसिटी पुणे में आयोजित फिटनेस इंटरैक्शन के जरिए मनाया। इस कार्यक्रम में रनर्स, साइकिलिंग प्रेमी और फिटनेस उत्साही बड़ी संख्या में शामिल हुए। अभिनेता अयान लाल, उद्यमी देवयानी पवार और न्यूट्रिशनिस्ट अमिता गद्रे भी इस दौरान उपस्थित रहे और फिटनेस, युवाओं की भागीदारी तथा सही पोषण और रिकवरी जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए।पुणे प्रवास के दौरान कांति दत्त ने डॉ. डी. वाय. पाटिल विद्यापीठ का भी दौरा किया, जहां उन्होंने छात्रों से संवाद करते हुए अनुशासन, मानसिक मजबूती और रोजमर्रा की जिंदगी में फिटनेस के महत्व पर बात की। इस पहल ने युवाओं को नियमित व्यायाम और साइकिलिंग जैसी गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस उपलब्धि पर कांति दत्त ने कहा, यह यात्रा सिर्फ मुंबई तक पहुंचने की नहीं थी, बल्कि हर शहर में फिटनेस और मानसिक मजबूती को लेकर संवाद शुरू करने का प्रयास थी। इस सफर में लोगों से मिला समर्थन और जुड़ाव बेहद प्रेरणादायक रहा। मैं चाहता हूं कि अधिक से अधिक लोग सक्रिय जीवनशैली को अपनाएं और फिटनेस को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

हाईवे पर फुट ओवर ब्रिज निर्माण कार्य के दौरान दो घंटा वाहनों का आवागमन रहा बाधित

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया मोहनसराय हाईवे स्थित चौराहे पर राहगीरों को पैदल चौराहा पार करने हेतु बनाये जा रहे फुट ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य के दौरान क्रेन द्वारा सेटिंग करते मंगलवार की भोर से 7 बजे सुबह तक लगभग दो घंटा हाईवे पर वाहनों का आवागमन बाधित रहा। जिससे हाईवे तथा सर्विस रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गयी जिसके दौरान राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पैदल फुट ओवर ब्रिज निर्माण के लिए बगल में पहले से ही नीचे जमीन पर लोहे के गटर को कर्मचारियों द्वारा वेल्डिंग कर दो भागों में बनाया गया था जिसे हाईवे पर बनाए गए पिलर पर रखकर सेटिंग करने के लिए कर्मचारियों ने वाहनों का आवागमन रोक कर चार क्रेन की मदद से कुशलता पूर्वक हाईवे के दोनों तरफ बने लोहे के पिलर पर सेटिंग किया गया।इस दौरान लगभग दो घंटे बाद वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से चालू हुआ।

लाइन बाजार पुलिस ने मोबाइल चोर को दबोचा, चोरी का फोन बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना लाइन बाजार पुलिस ने एक शातिर मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का मोबाइल फोन भी बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक के.के. सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुरादगंज मोहल्ले में दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जितेन्द्र पुत्र सूर्यप्रकाश निवासी मुरादगंज, थाना लाइन बाजार के रूप में हुई है। उसके खिलाफ मु0अ0सं0-84/26 धारा 303(2) व 317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय भेज दिया है। गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक धनजी चौधरी, कांस्टेबल उदयप्रताप और कांस्टेबल राजप्रकाश राजभर की अहम भूमिका रही।

एसएसपी ने जनसुनवाई में सुनी फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुँवर अनुपम सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय में प्रतिदिन की भांति जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्रों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसएसपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रत्येक शिकायत पर समयबद्ध और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को शीघ्र न्याय मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और पीड़ितों को संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए। जनसुनवाई के माध्यम से पुलिस प्रशासन आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध नजर आया।

जौनपुर में चला सघन चेकिंग अभियान, 1217 वाहनों का चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन ने विशेष अभियान चलाया। यह अभियान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में पूरे जिले में संचालित किया गया। अभियान के तहत यातायात पुलिस और विभिन्न थानों की टीमों ने प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील मार्गों पर सघन चेकिंग की। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन तलाशी ली गई, जिससे किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि पर अंकुश लगाया जा सके। चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने और बिना वैध दस्तावेजों के वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। पूरे जनपद में कुल 1217 वाहनों का चालान किया गया। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित वातावरण बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

मंडल आयोग की सिफारिशों को देशभर में लागू कराएगी सपाः अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली,लखनऊ, 18 मार्च। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा है कि उनकी पार्टी देश में सामाजिक न्याय और समानता को मजबूत करने के लिए मंडल आयोग की सभी सिफारिशों को पूर्ण रूप से लागू कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि मंडल आयोग की रिपोर्ट, जो सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के उत्थान के उद्देश्य से तैयार की गई थी, आज भी पूरी तरह लागू नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट का उद्देश्य वंचित, पिछड़े और दलित वर्गों को शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक भागीदारी में समान अवसर उपलब्ध कराना था।अरशद खान ने कहा कि 1990 के दशक में आयोग की सिफारिशों के आंशिक क्रियान्वयन से सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिला, लेकिन अब भी कई महत्वपूर्ण बिंदु अधूरे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की सीमा बढ़ाने, निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू करने और शिक्षा व रोजगार में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से सामाजिक न्याय की राजनीति की अग्रणी रही है और आगे भी पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक एवं कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रहेगी।प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि संविधान में निहित समानता और न्याय के मूल्यों को साकार करने के लिए मंडल आयोग की सिफारिशों का पूर्ण क्रियान्वयन आवश्यक है। यह करोड़ों वंचित लोगों के सम्मान और अधिकारों से जुड़ा विषय है। अंत में उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से उठाएगी और जरूरत पड़ी तो इसके लिए जनआंदोलन भी चलाया जाएगा।

शिविर से युवाओं में होगा सेवा, अनुशासन का विकासः केशलाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन बुधवार को हुआ। मुख्य अतिथि केशलाल ने एनएसएस के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह शिविर युवाओं में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना का विकास करती है, जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक है। मुख्य वक्ता आत्म प्रकाशधर द्विवेदी ने कहा, आज का युवा यदि रील लाइफ की चमक से निकलकर रियल लाइफ की चुनौतियों को स्वीकार करेगा, तभी समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास संभव होगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास और सामाजिक चेतना का सशक्त माध्यम है, जो उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है। स्वागत भाषण कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनुराग मिश्र ने दिया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अजय मौर्या, डॉ. विशाल यादव, डॉ. प्रमेन्द्र विक्रम सिंह, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका कुमारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उद्देश सिंह ने प्रभावशाली ढंग से किया। शिविर के दौरान स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैलियां, स्वास्थ्य शिविर, पर्यावरण संरक्षण, ग्राम सेवा सहित विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से स्वयंसेवक समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर दिव्यांशु सिंह, पृथ्वी राज सिंह, मनीष यादव, मोनू कुमार, अर्पिता यादव, आलोक मिश्रा, शंभू चौरसिया, रजनीश कन्हैया यादव, सौरभ सिंह, सिद्धार्थ सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

होली मिलन और दावत ए इफ्तार के संग सजा सौहार्द का रंग

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में फूलो की पंखुड़ियों से खेली होली,एक दूसरे को गले लगाकर दी होली व रोजा इफ्तार की बधाई राजातालाब। आराजी लाइन विकास खंड सभागार में मंगलवार को सामाजिक सद्भाव, भाईचारे और आपसी प्रेम का अनूठा नजारा देखने को मिला। दिन में फूलों की होली और फागोत्सव की रंगत बिखरी तो शाम होते-होते रोजेदारों ने रोजा इफ्तार कर अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। ब्लॉक प्रमुख नगीना सिंह पटेल द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी आयोजित होली मिलन समारोह और दावत ए इफ्तार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन शामिल हुए। एक ही मंच पर फागुन के गीतों की स्वर लहरियां गूंजीं और अजान की आवाज के साथ रोजेदारों ने रोजा खोला, जिसने गंगा-जमुनी तहजीब की सुंदर मिसाल पेश की।कार्यक्रम के दौरान ब्लाक प्रमुख नगीना सिंह पटेल व प्रतिनिधि समाज सेवी डा. महेंद्र सिंह पटेल ने सभी लोगो का आभार प्रकट कर स्वागत करते हुए फूलों व गुलाब की पंखुड़ियों से जमकर होली खेली और एक दूसरे को गले लगाकर होली व रोजा इफ्तार की हार्दिक बधाई दी।लोकगीत कलाकारों ने फगुआ गीतों से सराबोर कर दिया। जिसके दौरान लोगो ने भांग ,ठंढई व गुझियों का लुप्त उठाया। कार्यक्रम के पूर्व में क्षेत्र पंचायत की बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों ने मिलकर विकास का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र सिंह यादव ,संजीव सिंह, जगनारायण पटेल, डॉ नरेंद्र पटेल, राजकुमार वर्मा ,राम सिंह वर्मा, अनीता पटेल, डॉ उमेश पटेल, फूलचंद पटेल, बसंत लाल मौर्य, दिनेश यादव,

मुकेश पटेल ,मनोज वर्मा, जय श्री यादव, राजकुमार पटेल प्रधान, पिंटू सिंह, चंद्रजीत यादव,आलोक पांडेय, नीरज पांडेय,शिवपूजन सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

आपदा प्रबंधन को लेकर विधान परिषद समिति की समीक्षा बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी,उत्तर प्रदेश विधान परिषद की दैवीय आपदा प्रबंधन जांच समिति की समीक्षा बैठक बुधवार को वाराणसी स्थित सर्किट हाउस सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति लालजी प्रसाद निर्मल ने की, जिसमें जौनपुर जनपद के अधिकारियों के साथ आपदा प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में हीट वेव (लू), बाढ़, नाव दुर्घटना, डूबने की घटनाएं, आकाशीय बिजली, सर्पदंश, आगजनी सहित विभिन्न आपदाओं से निपटने की तैयारियों पर चर्चा की गई। समिति के सदस्यों, जिनमें डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी भी शामिल रहीं, ने संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिले में आपदा प्रबंधन के तहत किए जा रहे कार्यों और नवाचारों की प्रस्तुति दी। इस दौरान समिति ने आपदा के दौरान घायलों को शीघ्र राहत और सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही नदियों के गहरे क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाने पर जोर दिया, ताकि डूबने की घटनाओं में कमी लाई जा सके। आगजनी की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए अग्निशमन विभाग और बिजली विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा फायर ब्रिगेड के नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। समिति ने आपदा पीड़ितों को सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने पर विशेष जोर दिया। आकाशीय बिजली से बचाव के लिए दामिनी और सचेत ऐप के प्रचार-प्रसार तथा घरों में तड़ित चालक लगाने के प्रति लोगों को जागरूक करने को कहा गया। सर्पदंश के मामलों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पोस्टमार्टम पुलिस की मौजूदगी में कराने और स्वास्थ्य केंद्रों पर एंटीवेनम इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा डेंगू और मलेरिया जैसी संचारी बीमारियों से बचाव के लिए साफ-सफाई, एंटी लार्वा छिड़काव और फॉगिंग कार्य नियमित रूप से कराने के निर्देश दिए गए। विद्यालयों में बच्चों को जागरूक करने पर भी जोर दिया गया। समिति ने नगर निकायों को जलभराव की समस्या रोकने, लोक निर्माण विभाग को क्षतिग्रस्त सड़कों के स्थायी समाधान की कार्ययोजना बनाने तथा जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के तहत आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समिति का आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि सभी निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी परमानंद झा, बीएसए डॉ. गोरखनाथ पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपीएससी की तैयारी में भाषा बाधा नहीं

पटना। इम्तिहान आईएएस संस्थान में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए एक प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक इंटरैक्टिव सेमिनार का आयोजन बुधवार को किया गया। सेमिनार में वर्ष 2023 बैच के आईआरएस अधिकारी उधम पटेल एवं 2020 बैच के बीएसएफ असिस्टेंट कमांडेंट अभिषेक कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उधम पटेल ने यूपीएससी तैयारी के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तैयारी समग्र दृष्टिकोण से होनी चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए बताया कि केवल प्रीलिम्स और मेंस के अलग-अलग दृष्टिकोण से पढ़ाई करने के बजाय विषयों की गहरी समझ विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने प्रिलिम्स परीक्षा से पूर्व के दो महीनों में कांसेप्ट आधारित एवं सूचनात्मक प्रश्नों के अभ्यास पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी।